गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 19 | गोरखपुर रविवार 02 नवम्बर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

विकसित छत्तीसगढ़ लिख रहा नई इबारत

अटल प्रतिमा का अनावरण : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस को "विकास यात्रा की स्वर्णिम शुरूआत" बताते हुए राज्य की जनता को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने अपने गहरे व्यक्तिगत जुड़ाव को याद करते हुए, नवा रायपुर में नई विधानसभा भवन और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का उद्घाटन किया। यह समारोह राज्य के 25 वर्षों के महत्वपूर्ण पड़ाव को रेखांकित करता है।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और बताया कि कैसे राज्य ने एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है और आगे भी तेजी से विकास होगा। पीएम मोदी ने एक युवा कार्यकर्ता के रूप में अपने समय और छत्तीसगढ़ में काफी समय बिताने को याद किया और बताया कि कैसे उन्होंने "छत्तीसगढ़ के परिवर्तन के हर पल को देखा।" पीएम मोदी ने नवा रायपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा आज का दिन छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा की एक स्वर्णिम शुरूआत है और मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यह एक बहुत ही खुशी का दिन है, एक महत्वपूर्ण दिन है। मोदी ने कहा कि पिछले कई दशकों से इस धरती से मेरा गहरा व्यक्तिगत जुड़ाव रहा है। एक कार्यकर्ता के रूप में मैंने छत्तीसगढ़ में काफी समय बिताया है। इस जगह के लोगों, इस धरती ने मेरे जीवन को आकार देने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। छत्तीसगढ़ का विजन, इसके निर्माण का संकल्प और उस संकल्प की पूर्ति। रजत जयंती समारोह के अवसर पर, प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के नए विधानसभा भवन का उद्घाटन किया और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का भी अनावरण किया, जिनके नेतृत्व में 1 नवंबर, 2000 को राज्य का गठन हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि मैं छत्तीसगढ़ के परिवर्तन के हर पल का साक्षी रहा हूँ। और आज, जब छत्तीसगढ़ अपनी 25 साल की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुँच रहा है, मुझे भी इस क्षण का भागीदार बनने का अवसर मिला है। आज इस रजत जयंती समारोह में, मुझे राज्य के लोगों के लिए इस नई विधानसभा का उद्घाटन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैं इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के लोगों और राज्य सरकार को अपनी शुभकामनाएँ और बधाई देता हूँ।

जंगलराज नहीं, मोदी-नीतीश के सुशासन से बढ़ेगा बिहार : शाह

अमित शाह ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए के घोषणापत्र को प्रस्तुत करते हुए किसानों और महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया, जिसमें एमएसपी वृद्धि और जीविका दीदियों को वित्तीय सहायता शामिल है। उन्होंने "जंगल राज" के आरोपों के माध्यम से विपक्ष पर निशाना साधते हुए, बिहार में बुनियादी ढांचे के विकास और बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनर्जीवित करने की एनडीए की प्रतिबद्धता पर बल दिया। शाह का यह प्रचार भाषण राज्य के आर्थिक विकास और बेहतर कानून-व्यवस्था पर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह में बिहार की प्रगति के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की रूपरेखा दी गई है। उन्होंने कहा, "कल

ने शनिवार को बिहार के लोगों से आगामी विधानसभा चुनावों में एनडीए गठबंधन का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों और एनडीए के 'संकल्प पत्र' में उल्लिखित प्रतिबद्धताओं पर प्रकाश डाला।

खराब मौसम के कारण गोपालगंज नहीं जा सके अमित शाह ने एक वर्चुअल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "एनडीए के समर्थन में यहाँ एकत्रित हुए लोगों की भारी संख्या के लिए मैं क्षमा चाहता हूँ। लेकिन खराब मौसम के कारण पटना से गोपालगंज जाने की अनुमति नहीं मिली, इसलिए मैं आप सभी से वर्चुअली बात कर रहा हूँ। बिहार में किसानों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एनडीए की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, शाह ने रेखांकित किया कि एनडीए के हाल ही में जारी घोषणापत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व हमने अपना घोषणापत्र जारी किया। हमने बिहार के विकास के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है। लेकिन दो प्रमुख बातें हैं - एक किसानों के लिए और एक महिलाओं के लिए - जिन्हें मैं दोहराना चाहता हूँ। अभी-अभी, प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार ने 1 करोड़ 41 लाख जीविका दीदियों के बैंक खातों में 10,000 रुपये ट्रांसफर किए हैं। हम उन सभी जीविका दीदियों के खातों में विभिन्न माध्यमों से 2 लाख रुपये तक की राशि भेजेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 87 लाख किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये प्रदान करते हैं; एनडीए सरकार बनने के बाद यह राशि बढ़कर 9,000 रुपये हो जाएगी। विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए, गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि 'जंगल राज' के दौर में बिहार में अराजकता और आपराधिक गतिविधियाँ चरम पर थीं। शाह ने कहा, "गोपालगंज के लोग साधु यादव के कारनामों से वाकिफ हैं।

दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में एहसास करा रहा भारत : मुख्यमंत्री

संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी पहचान के संकट के दौर से गुजरने वाला भारत आज दुनिया की बड़ी

ताकत के रूप में एहसास करा रहा है। यह बदलाव लीडरशिप (नेतृत्व) की कार्यपद्धति से आया है। समर्थ और प्रभावी नेतृत्व वही होता है जो देश के प्रति दुनिया की धारणा बदलने का सामर्थ्य रखता हो। विगत 11 वर्षों से देश में ऐसी ही लीडरशिप देखने को मिल रही है। सीएम योगी शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में सैमसंग इनोवेशन कैंपस द्वारा आयोजित प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और अन्य प्रौद्योगिकी संस्थानों के करीब 1300 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से आठ विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 2014 के पहले का भारत पहचान के संकट के दौर से गुजर रहा था। भ्रष्टाचार व्यवस्था पर हावी था। वैश्विक स्तर पर देश का सम्मान समाप्त हो रहा था। युवा पहचान को मोहताज हो रहे थे। पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में विकास और जनहित के अनेक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत पहचान स्थापित करने में सफलता मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा पीएम स्टार्टअप, पीएम स्टैंडअप, डिजिटल इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने भारत को न केवल नई पहचान दी है बल्कि देश को दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बनाने में भी भरपूर योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं हुआ बल्कि इसके लिए सरकार के स्तर पर अनेक प्रयास किए गए।

ईज ऑफ लिविंग बढ़ाने में सहायक हो सकती है तकनीकी

सीएम योगी ने आमजन के जीवन को सुगम बनाने के लिए युवाओं से इमर्जिंग टेक्नोलॉजी और नवाचार पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। कहा कि ईज ऑफ लिविंग (जीवन सुगमता) बढ़ाने में तकनीकी काफी सहायक हो सकती है।

सामूहिक सुरक्षा हर देश की संप्रभुता की कुंजी है: राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच शनिवार को कहा कि भारत का मानना है कि यह क्षेत्र खुला, समावेशी और किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त रहना चाहिए। कुआलालंपुर में आसियान सदस्य देशों और समूह के वार्ता साझेदारों के रक्षा मंत्रियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने क्षेत्र के प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक सुरक्षा के दृष्टिकोण पर जोर दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के पालन पर जोर और नौवहन तथा उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए है।

उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र में राज्य के भविष्य के रोडमैप पर चर्चा होगी : धामी

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कहा कि उत्तराखंड स्थापना की रजत जयंती पर आयोजित किए जा रहे विधानसभा के विशेष सत्र में अगले

25 वर्ष में राज्य के भविष्य के रोडमैप पर चर्चा की जाएगी। तीन और चार नवंबर को होने वाले विधानसभा के दो दिवसीय विशेष सत्र को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संबोधित करेंगी। नौ नवंबर को राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। एक नंवबर से 11 नवंबर तक प्रदेश भर में मनाए जाने वाले रजत जयंती उत्सव की शुरूआत के मौके पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देवोत्थान एकादशी और इगास का पावन पर्व है और आज से लेकर 11 दिनों तक की इस अवधि में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, 25 वर्षों की हमारी जो यात्रा है, जो रोडमैप है, उसे आगे बढ़ाने के लिए हमने राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का भी निर्णय लिया है।

सम्पादकीय...

जहरीली हवा में घुटती सांसें

दशकों से मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग तथा संगठन, जिस प्रदूषण संकट के प्रति चेताते रहे हैं, उसके घातक परिणाम अब साफ सामने नजर आने लगे हैं। विडंबना यह है कि देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ही नहीं, अब देश के तमाम बड़े-छोटे शहरों से भी जानलेवा प्रदूषण की खबरें आ रही हैं। इस घातक व मारक संकट की पुष्टि बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट की हालिया रिपोर्ट करती है। रिपोर्ट दावा करती है कि देश की हवा में 2010 की तुलना में साल 2022 तक प्रदूषणवाहक पीएम 2.5 कणों की मात्रा में 38 फीसदी तक का बढ़ावा हुआ है। जिसका घातक प्रभाव यह है कि करीब सत्रह लाख लोग असमय काल-कवलित हो चले हैं। इससे होने वाला आर्थिक नुकसान अलग है। यह कहना कठिन है कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं। बहुत संभव है कि सरकारें इन आंकड़ों पर सहमति न जताएं, लेकिन दीपावली के बाद दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है, वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी-रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगितयां भी शहरों में प्रदूषण का दायरा बढ़ा रही हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर रहे हैं बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इसके बावजूद राजनीतिक दलों व सरकारों में वह इच्छाशक्ति नजर नहीं आती, जो इस संकट के कारगर समाधान की राह दिखाती हो। निश्चित तौर पर प्रदूषण संकट की यह जानलेवा स्थिति हमें शर्मसार करने वाली है। यह हमारी सामूहिक विफलता की तसवीर भी उकेरती है। सर्दियों का मौसम आते ही दिल्ली व निकटवर्ती शहरों में जो प्रदूषण का बड़ा संकट दिखायी देता है, आखिर उसे साल भर सतर्कता के साथ क्यों नहीं देखा जाता। देश में आर्थिक असमानता व गरीबी के चलते लाखों लोग व बच्चे उन अस्वस्थकारी परिस्थितियों में काम करने को बाध्य हैं, जो कालांतर जानलेवा रोगों का सबब बनती हैं। देश में करोड़ों बाल श्रमिक पटाखा, कालीन और अन्य सांस के रोगों का संकट बढ़ाने वाले उद्योगों में काम कर रहे हैं। व्यवस्था का भ्रष्टाचार नियामक एजेंसियों को हिलने तक नहीं देता। दरअसल, यह प्रदूषण मौसमी बदलाव, पटाखों या पराली जलाने से ही नहीं पैदा होता। दरअसल, इसके मूल में शासन-प्रशासन की वह विफलता भी शामिल है, जो वातावरण को जहरीला बनाने वाले उद्योगों तथा निर्माण में उड़ने वाली धूल की सतर्क निगरानी नहीं करती। दरअसल, हमारे जीवन की कृत्रिमता व सुविधाभोगी जीवनशैली ने उन घातक गैसों को बढ़ावा दिया जो ग्लोबल वार्मिंग व प्रदूषण की कारक बनती हैं।

राशिफल

मेषः- कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

वृषभः- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुनः- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्कः- भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा।

सिंहः- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- परिवार की छोटी-छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुलाः- समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें।

वृश्चिकः- स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनुः- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्मित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकरः- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले-जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभः- शासन-सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा।

वैश्विक संदर्भ में राष्ट्रवाद बनाम धार्मिक कट्टरता

संजीव ठाकुर

वास्तविक राष्ट्रवाद के संदर्भ में धार्मिक कट्टरता राष्ट्रवाद किसी भी राष्ट्र की आत्मा होता है और वैश्विक संदर्भ में राष्ट्रवाद बनाम धार्मिक कट्टरता पर बौद्धिक विमर्श की परम आवश्यकता है स यह केवल राजनीतिक नारा या भीड़ संचालित भाव नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना का वह केंद्र है जो देश की एकता, अखंडता और गरिमा को अभिव्यक्त करता है। यह वह सार्वभौमिक सत्य है, जिसने युगों से सभ्यताओं को स्थायित्व दिया और समाजों को अनुशासन एवं उद्देश्य की दिशा में अग्रसर किया। किंतु जब यही राष्ट्रवाद धार्मिक कट्टरता, संकीर्ण विचारधारा अथवा अवसरवादी राजनीति के मोहपाश में बंध जाता है, तब वह अपनी दिव्यता खो बैठता है ।राष्ट्र के निर्माण और वैश्विक एकीकरण के संदर्भ में नागरिकों की निष्ठा, समर्पण और संवेदनशीलता अनिवार्य है। परंतु इसका यह तात्पर्य नहीं कि सत्ता-लोलुप राजनीतिक दल राष्ट्रवाद को धर्म, जाति या संप्रदाय से जोड़कर इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र बना लें। ऐसा करने से न केवल राष्ट्रीय भावना आहत होती है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने में विभाजन और अविश्वास की दीवारें खड़ी हो जाती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब-जब सत्ता पर बने रहने की अंधी चाह बढ़ी है, तब-तब साम्राज्यों की जड़ें खोखली हुई हैं। वर्तमान भारतीय राजनीति भी इस प्रपंच से मुक्त नहीं कृ जहां राष्ट्रवाद कई बार धर्म का पर्याय बनाकर प्रस्तुत किया जाता है, ताकि भावनात्मक उन्माद के सहारे सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ी जा सकें। लोकतंत्र में सत्ता का परिवर्तनशील रहना ही उसकी प्राणवायु है। निरंतर सत्ता एक व्यक्ति या दल को अधिनायकवादी बनाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की जड़ों को कमजोर कर देती है। अवसरवादी राजनीति, जातिगत समीकरणों की गणना, और तुष्टीकरण की नीति ये सब मिलकर जनकल्याण की मूल भावना को धूमिल करते हैं। जनता के दीर्घकालिक हितों के स्थान पर तात्कालिक लाभों की घोषणाएँ लोकतंत्र को सस्ती लोकप्रियता की ओर ढकेल देती हैं। इससे न केवल राष्ट्रीय चरित्र का ह्रास होता है, बल्कि सामाजिक अनुशासन भी दरकने लगता है। राजनीति में पदलोलुपता, अवसरवाद और जातिवादी समीकरणों की राजनीति लोकतांत्रिक आदर्शों को विकृत करती जा रही है। संविधान में निहित समानता, स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के मूल सिद्धांत जब तुष्टीकरण की नीति से प्रभावित होते हैं, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत होकर सामंतवादी प्रवृत्तियों को जन्म देता है। जातिवादी मतदान, अवतारवाद और निरंकुश सत्ता की चाह,ये सब लोकतंत्र के भीतर अधिनायकवाद के बीज बोने वाले तत्व हैं ।भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद संतुलन, समरसता और विचारशीलता पर टिकी है। किंतु जब धर्म को राजनीतिक औजार बना दिया जाता है, तब न केवल आस्था का अपमान होता है बल्कि नागरिकता की समानता पर भी गहरी चोट पहुँचती है। पशु व्यापार पर एकतरफा प्रतिबंध, सांप्रदायिक नीतियों के संरक्षण या धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक प्रयोग ये सभी लोकतंत्र के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप पर प्रश्नचिह्न बन जाते हैं ।आज के वैश्विक संदर्भ में देखा जाए तो राष्ट्रवाद और धार्मिक कट्टरता के बीच की रेखा अत्यंत सूक्ष्म हो चली है। बीसवीं सदी के जर्मनी, इटली, म्यांमार या पाकिस्तान के उदाहरण हमें बताते हैं कि जब राष्ट्रवाद सैनिक या संप्रदायिक रूप ले लेता है, तो वह फासीवाद या सैन्य तानाशाही का पूर्वरूप बन जाता है। भारत जैसे प्राचीन सांस्कृतिक राष्ट्र के लिए यह और भी चिंताजनक है, क्योंकि यहाँ लोकतंत्र केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का हिस्सा है। लोकतंत्र का मर्म जनता के विचारों की स्वतंत्रता और उनकी विवेकशीलता में निहित है। जब राजनीतिक दल शासकीय संसाधनों का दुरुपयोग कर सस्ती लोकप्रियता के लिए उपहारों, योजनाओं और प्रलोभनों की बाढ़ लाते हैं, तब यह नैतिक पतन का संकेत है। इससे जनता की कर प्रणाली पर बोझ तो बढ़ता ही है, साथ ही वास्तविक जनहितकारी योजनाओं का प्रवाह भी बाधित होता है। ऐसे संक्रमणकाल में देश के प्रबुद्ध वर्ग विद्वान, चिंतक, शिक्षक, मीडिया कर्मी और सामाजिक संस्थाएँ सभी को सजग होकर आगे आना होगा। लोकतंत्र की असल शक्ति सत्ता में नहीं, बल्कि नागरिक चेतना में निहित है।

यदि विचारशीलता, तर्कशीलता और संतुलन नहीं रहेगा, तो राष्ट्रवाद भी कट्टरता में परिवर्तित हो जाएगा और लोकतंत्र अपनी आत्मा खो देगा। इसलिए आज आवश्यकता है कृ राष्ट्रवाद को धार्मिक या राजनीतिक संकीर्णता से मुक्त कर बौद्धिक संतुलन के पथ पर ले जाने की। क्योंकि सच्चा राष्ट्रवाद न मंदिर में है, न संसद में, वह उस विचार में है, जो हर नागरिक को समान अधिकार, समान अवसर और समान सम्मान देता है। जब हम इस विचार को जीना सीख लेंगे, तभी राष्ट्र वास्तव में शक्तिशाली, संवेदनशील और आत्मनिर्भर बन सकेगा।

कुछ खास...

इलेक्ट्रिक मीटिंग्स नीरस, गंभीर और कम मजेदार होती हैं

रघु सर के साथ कर्मचारियों की थॉट प्रोसेस, लागू होने वाली रणनीतियों, प्लानिंग और ट्रेनिंग जैसे विषयों पर मेरी बातचीत हमेशा गंभीर होती थी, लेकिन हाल की ट्रिप में मैंने उनके साथ सबसे मजेदार पल बिताए। अपने चेयरमैन को भेजे एक वॉइस नोट में आशीष दत्ता ने यह बात कही, जो भोपाल की एक कंपनी के उन 22 शीर्ष पेशेवरों में से एक हैं- जिनके साथ मैं इस हफ्ते श्रीलंका घूमने गया था। उन्होंने कहा कि मैं उनके साथ टूरिस्ट बस की बैक सीट पर बिताए पलों को कभी नहीं भूल पाऊंगा ।तकरीबन पांच वर्षों से मैं आशीष से बात कर रहा हूं। इन पांच सालों में मैं तो वैसा ही था, लेकिन आशीष को सिर्फ आखिरी मीटिंग मजेदार लगी- वो भी विदेश में। मैंने सोचा ऐसा क्यों? लेकिन फिर समझ आया कि बीते पांच वर्षों में उन्होंने मेरे साथ अपने केबिन में इलेक्ट्रिक मीटिंग्स की थीं। सोच रहे हैं कि ये इलेक्ट्रिक मीटिंग्स क्या होती हैं? बिल्डिंग प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर क्यूएक्सओ के अरबपति सीईओ ब्रैड जैकब्स ने अपनी किताब का पूरा एक चैप्टर इलेक्ट्रिक मीटिंग्स के नाम किया है। वे कहते हैं कि ज्यादातर मीटिंग्स बेहद नीरस होती हैं और निष्क्रिय श्रोताओं से भरी होती हैं, जैसे कुर्सियों पर इंसानी आकार के कार्डबोर्ड से बने कट-आउट्स रख दिए हों। उन्होंने आगे लिखा कि इससे उलट, डिस्ट्रैक्शन-फ्री मीटिंग्स दिलचस्प होती हैं। गोल्डमैन सैक की एक मीटिंग में जैकब्स ने कहा कि संतोषजनक लगता है, जब दो दर्जन सहकर्मी वाकई में आपकी बातें सुन रहे हों ।जैकब्स ही नहीं, कई सीईओ समय-समय पर चेता चुके हैं कि सिर्फ मीटिंग एजेंडा पर ध्यान देना और ईमेल-वॉट्सएप का जवाब देना मीटिंग्स में बातचीत को आनंददायक नहीं बनाता। उदाहरण के लिए, एयरबीएनबी के सीईओ ब्रायन चेस्की ने पिछले हफ्ते अपने कर्मचारियों के साथ बैठकों को लेकर कहा कि बैठक में ज्यादातर कर्मचारियों का ध्यान नहीं था और वे फोन पर टेक्स्टिंग में व्यस्त रहे। उन्होंने माना कि मैं टेक्स्ट करता हूं, लेकिन लोग मुझे देखकर ही टेक्स्ट करने लगते हैं। ये एक बड़ी सामाजिक समस्या है। जेपी मॉर्गन चेस के सीईओ जेमी डिमन ने इस अप्रैल में अपने निवेशकों को भेजे सालाना लेटर में लिखा कि मीटिंग में फोन देखना समय बर्बाद करता है और डिस्ट्रैक्ट करता है। इस हफ्ते उन्होंने फॉर्च्यून्स मोस्ट पॉवरफुल वीमन समिट में भी दोहराया कि अगर उनके सामने आईपैड रखा है और लगता है कि वो ईमेल पढ़ रहे हैं या नोटिफिकेशंस देख रहे हैं तो मैं कहता हूं कि उसे बंद कर दो।यूसी हेल्थ के वाइस प्रेसिडेंट ब्रैड फिक्स्लर स्वेर जार से मिलते-जुलते एक हल्के-फुल्के कॉपोरेट वर्जन पर विचार कर रहे हैं। स्वेर जार एक कंटेनर होता है, जिसमें लोग यदि कसम लेने के बाद भी गाली देते हैं तो उन्हें जुमार्ना राशि डालनी होती है। वह इसे फोन जार कहना चाहते हैं और मीटिंग में फोन दिखने पर पेनल्टी लेंगे ।फिक्स्लर कहते हैं ऐसे नियम मीटिंग्स को खेल जैसा बनाएंगे और आखिरकार वे मजेदार बन जाएंगी। कुछ मीटिंग्स में बॉस सहकर्मियों से फोन उल्टा रखने को कह रहे हैं। कुछ एचआर सॉफ्टवेयर कंपनियां सेल्फ पुलिसिंग में सफल रही हैं, जहां वे एक-दूसरे को कहते हैं कि सुनो, लगता है तुम मीटिंग में नहीं, बल्कि कहीं और हो ।सरल शब्दों में कहें तो ऑफिस रूल्स धीरे-धीरे बदल रहे हैं।

प्रेरणा अरोड़ा ने जगाई महादेव की गर्जना, अब शिव स्तोत्रम से थराएंगे सिनेमा हॉल

बहुप्रतीक्षित फिल्म जटाधारा का गीत शिव स्तोत्रम रिलीज है। इस भक्ति गान के पीछे निमार्ता प्रेरणा अरोड़ा की चमत्कार से प्रेरित भक्ति की सच्ची भावना से भव्यता में श्रद्धा का सार पकड़ता है। प्रेरणा अरोड़ा बुना है। हर दृश्य में एक दिव्य ऊर्जा प्रवाहित को झकझोर देने वाला भी है। फिल्म के मुख्य कि हर क्षण श्रद्धा और जोश से सराबोर हो उठता एक दिव्य अनुभव था। विशेष रूप से सेट

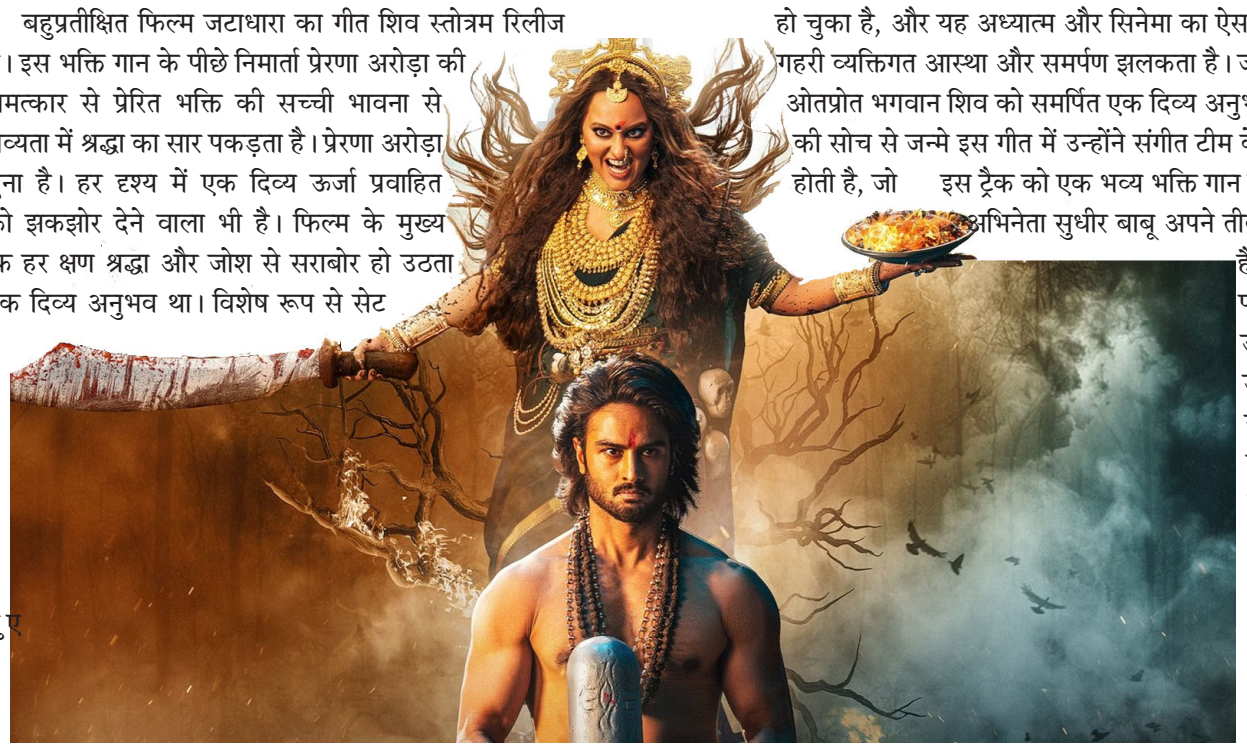

हुए हो चुका है, और यह अध्यात्म और सिनेमा का ऐसा अद्भुत संगम है, जिसे देखकर और सुनकर मन श्रद्धा से भर उठता गहरी व्यक्तिगत आस्था और समर्पण झलकता है। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत यह गीत दृश्य और श्रव्य ओतप्रोत भगवान शिव को समर्पित एक दिव्य अनुभव है। राजीव राज द्वारा संगीतबद्ध और गाया गया यह स्तोत्रम्, अपनी की सोच से जन्मे इस गीत में उन्होंने संगीत टीम के साथ मिलकर भगवान शिव की शक्ति, सौंदर्य और करुणा का सार होती है, जो इस ट्रैक को एक भव्य भक्ति गान बना देती है। यह गीत न केवल सुनने में अलौकिक है, बल्कि आत्मा अभिनेता सुधीर बाबू अपने तीव्र और सशक्त अभिनय से गीत के दृश्यों में ऐसी प्राण-शक्ति भरते हैं है। सुधीर बाबू ने कहा, शिव स्तोत्रम् की शूटिंग मेरे लिए वास्तव में पर बिताया गया हर पल ऐसा था, जैसे मैं स्वयं भगवान शिव की उपस्थिति में खड़ा हूं। जब मैंने पहली बार इस ट्रैक को सुना, तो उसकी ऊर्जा और आभा सिर्फ एक गीत तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह एक आध्यात्मिक जागरण जैसा था। सच कहूं तो एक अभिनेता के रूप में, ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है, जो आत्मा को श्रद्धा के साथ गहराई से जोड़ दे। मुझे गर्व है कि जटाधारा में भक्ति की वही भावना और भगवान शिव की शक्ति का सार विद्यमान है। निमार्ता प्रेरणा अरोड़ा ने अपने विचार साझा करते कहा, शिव स्तोत्रम् जटाधाराश की आत्मा है। शुरूआत से ही मेरा उद्देश्य एक ऐसा गीत रचना था, जो पारंपरिक सीमाओं से परे जाकर सच्ची भावना, श्रद्धा और विस्मय को जगाए। मैंने अपनी आस्था से जुड़कर संगीत टीम के साथ मिलकर इसे साकार किया है। हमने इसमें अपना पूरा दिल लगाया है और मुझे विश्वास है कि दर्शक उस पवित्र स्पंदन को बड़े पर्दे पर महसूस करेंगे। विश्वास और एकता की शक्ति को समर्पित, यह भगवान शिव को हमारी विनम्र भेंट है।इसमें दो राय नहीं है कि गूंजते मंत्रों और प्रतीकात्मक दृश्यों से सजा शिव स्तोत्रम्-इस वर्ष का सबसे प्रभावशाली भक्ति गीत बनकर उभरेगा, क्योंकि यह एक ऐसा गीत है, जो शाश्वत और नवीन होने के साथ अध्यात्म और सिनेमा को भी जोड़ता है, । वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल द्वारा निर्देशित और जी स्टूडियोज तथा प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत जटाधारा एक द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है। इसका निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है। सह-निमार्ताओं में अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा, क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय, और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भाविनी गोस्वामी शामिल हैं। फिल्म में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सह कलाकारों में दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकाला और सुभलेखा सुधाकर शामिल हैं।

टाइम 100 इवेंट में भारत की आवाज बनीं स्मृति ईरानी स्पार्क पहल से 1 लाख महिलाओं को जोड़ने का मिशन

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय टेलीविजन की एक अहम हस्ती स्मृति ईरानी इन दिनों सुर्खियों में हैं, अक्टूबर महीना उनके शानदार सफर की गवाही दे रहा है, जहां वो न सिर्फ खुलकर बात कर रही हैं और असली दुनिया में असर डाल रही हैं।

हाल ही में स्मृति ईरानी ने अपने शो क्योंकि 2.0 में बिल गेट्स को बुलाया और फिर प्रतिष्ठित टाइम 100 इवेंट में भारत का नाम रोशन किया। शूटिंग के बीच भी उन्होंने वक्त निकालकर सबको प्रेरित किया। उनका इनिशिएटिव स्पार्क द 100ा कलेक्टिव इस ग्लोबल फोरम का पार्टनर है, जिसके जरिए वो न्यूयॉर्क के स्टेज तक पहुंचीं। टाइम 100 इवेंट में स्मृति ईरानी ने भारत और अपने प्रोजेक्ट स्पार्क द 100ा कलेक्टिव की तरफ से बात की। इस प्रोजेक्ट का मकसद देश के 300 शहरों में 1 लाख महिलाओं को मजबूत बनाना है ताकि वे अपना काम शुरू कर सकें। हाल ही में इसका एक इवेंट दिल्ली में हुआ था। स्पार्क प्रोजेक्ट छह हिस्सों में काम करता है, जो महिलाओं को जरूरी हुनर और सही मदद देने पर ध्यान देता है। उनकी दमदार स्पीच और मेहनत टाइम फोरम पर सबको बहुत पसंद आया है। इस चीज ने लोगों को याद दिलाया है कि कैसे स्मृति ईरानी एक साधारण शुरूआत से आगे बढ़कर आज भारत की एक सबसे मजबूत आवाज बन गई हैं। एक भावुक पल में, उन्होंने अपनी जड़ों को याद करते हुए कहारू उन्होंने कहा, कहते हैं जिंदगी एक पूरा चक्कर लगाती है, और आज रात मेरे लिए सच में ऐसा ही हुआ है। बयालीस साल पहले, नई दिल्ली की सड़कों पर मेरे पिता, जो एक किताब बेचने वाले थे, एक कबाड़ी से पुरानी ज्पउम मैगजीन खरीदकर बेचते थे, ताकि वो रोज दो डॉलर कमा सकें और तीन बेटियों का पेट पाल सकें। आज जब मैं आप सबके बीच खड़ी हूं, तो ये सिर्फ इसलिए है क्योंकि मेरे माता-पिता मेहनती थे, और साथ ही क्योंकि किसी ने मेरी पढ़ाई में मदद की, किसी ने मुझे ईमानदार मेहनताना दिया, और किसी ने मुझे अपने देश में एक राजनीतिक आवाज बनने का मौका दिया।भारत की लाखों महिलाओं की आवाज बनकर, स्मृति ईरानी ने भारत की महिला कार्यशक्ति की ताकत और उसकी संभावनाओं को दुनिया के सामने रखा।मेरे देश में मुझ जैसी 40 करोड़ महिलाएं हैं। उनमें से 9 करोड़ महिलाएं गांवों में काम करती हैं और हर साल छोटे बिजनेस से 37 बिलियन डॉलर का कारोबार करती हैं। मेरे देश की 15 लाख महिलाएं पंचायतों में चुनी हुई प्रतिनिधि हैं, जिन्हें आप टाउन काउंसिल कह सकते हैं। 60 लाख महिलाएं हर दिन फ्रंटलाइन हेल्थकेयर वर्कर के रूप में काम पर जाती हैं।अपने ग्लोबल विजन स्पार्क द 100ा कलेक्टिव को पेश करते हुए, स्मृति ईरानी ने पूरे आत्मविश्वास और उम्मीद के साथ अपना मिशन साझा किया- मैं यहाँ एक छोटी सी शुरूआत करने आई हूँ। भारत में, मेरे साथ एक और महिला ने ठाना कि हम 1 लाख महिलाओं तक पहुंचेंगे जो छोटे-छोटे बिजनेस चला रही हैं। हमारा मकसद था अपने देश के लोगों की मदद करना, सिर्फ सरकार का इंतजार नहीं करना। इसलिए हमने तय किया कि 300 शहरों में 1 लाख महिलाओं तक पहुंचेंगे, फिर 10 लाख तक, और 100 मिलियन डॉलर का इम्पैक्ट फंड बनाएंगे और जब किसी ने पूछा, क्या इसे 56 देशों तक ले जा सकती हो? तो हमने कहा हाँ, बिल्कुल! मैं यहाँ बस एक बीज बोने आई हूँ।अपना भाषण खत्म करते हुए उन्होंने दुनिया भर के नेताओं से दिल छू लेने वाली अपील की -मेरी बस एक ही अपील है, दुनिया में महिलाएं 30 ट्रिलियन डॉलर का खर्च कंट्रोल करती हैं, लेकिन उनके पास हर तीन में से सिर्फ एक बिजनेस है और उन्हें अब भी 20: कम वेतन मिलता है।

ओम शांति ओम और मैं हूं ना को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स, शाहरुख खान फिल्म फेस्टिवल में बढ़ाए गए शो!

नेशनल अवॉर्ड विजेता और देश के सबसे बड़े सुपरस्टार शाहरुख खान आज भी करोड़ों दिलों पर राज कर रहे हैं। तीन दशकों से ज्यादा फैली उनकी फिल्मी सफर का जश्न इस वक्त शाहरुख खान फिल्म फेस्टिवल के रूप में मनाया जा रहा है, जो कल से शुरू हुआ और जिसने पूरे देश में जबरदस्त उत्साह पैदा कर दी है। इस फेस्टिवल में शाहरुख खान की कुछ सबसे मशहूर और पसंदीदा

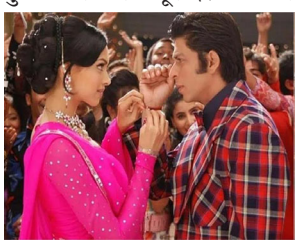

फिल्मों को देशभर के सिनेमाघरों में दिखाया जा रहा है। यह आयोजन उनके शानदार फिल्मी सफर का एक बड़ा जश्न बन गया है। इनमें ओम शांति ओम और मैं हूं ना जैसी फिल्में शामिल हैं, जिन्हें जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। दर्शकों की भारी मांग के चलते कई मेट्रो शहरों में एक्स्ट्रा शोज जोड़े गए हैं, और दोनों फिल्में लगभग हर जगह हाउसफुल होने के कगार पर हैं। फैन्स सिनेमाघरों के अंदर डांस करते, तालियां बजाते और जश्न मनाते नजर आ रहे हैं। ये सब दिखाता है कि आज भी शाहरुख खान के लिए लोगों का प्यार और दीवानगी कम नहीं हुई है। शाहरुख खान की ओम शांति ओम ने दर्शकों के दिलों में फिर से पुरानी यादें ताजा कर दी हैं। लोग दिल से फिल्म को खूब एंजॉय कर रहे हैं और आज भी छैंया छैंया गाने पर झूमते नजर आ रहे हैं। वहीं, मैं हूं ना में मेजर राम के रूप में शाहरुख को देखकर दर्शक उन पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने हाल ही में आर्यन खान द्वारा डायरेक्टेड बैड्स ऑफ बॉलीवुड पेश की थी, जो बड़ी हिट साबित हुई। इसी सफलता को आगे बढ़ाते हुए अब शाहरुख खान फिल्म फेस्टिवल की शुरूआत 31 अक्टूबर से हुई है। यह दर्शकों के लिए एक सुनहरा मौका है कि वे कभी हां कभी ना से लेकर जवान तक उनकी शानदार फिल्मों को दोबारा बड़े पर्दे पर देख सकें, एक ऐसा सफर जो एसआरके के अलग-अलग दौरों को याद दिलाता है और जिसे दर्शक आज भी उतने ही प्यार से सेलिब्रेट कर रहे हैं।

रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन के एक साल, दीपिका पादुकोण की शक्ति शेट्टी ने दिलाई मेनम्मा की याद

पिछला साल एक्शन से भरा हुआ था जब रोहित शेट्टी ने दर्शकों को अपनी ऑल स्टार कॉप यूनिवर्स की सबसे बेहतरीन फिल्म सिंघम अगेन दी थी। लेकिन जो सबसे बड़ा सरप्राइज था, वो था एक ऐसा किरदार जिसने पहली बार रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में एक महिला पुलिस ऑफिसर की एंट्री कराई लेडी सिंघम शक्ष्ति शेट्टी, जिसे दीपिका पादुकोण ने निभाया। यह किरदार दमदार,

मस्ष्ती भरा था और हमें एक बार फिर रोहित शेट्टी की दूसरी शानदार फिल्म के किरदार मीनम्मा की याद दिला गया। अपनी शानदार जर्नी में एक और मील का पत्थर जोड़ते हुए, पिछले साल दीपिका पादुकोण ने रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में जबरदस्त परफॉर्मेंस दी। फिल्म में उनका किरदार शक्ति शेट्टी, जिसे सब लेडी सिंघम के नाम से जानते हैं, हाल के सालों में सबसे यादगार और दमदार फीमेल एंट्रीज में से एक बन गया। रोहित शेट्टी ने खुद कहा कि यह किरदार उन्हें चेन्नई एक्सप्रेस की मीनम्मा की याद दिलाता है, जो आज भी दर्शकों के दिलों में बसती है। सिंघम अगेन में दीपिका पादुकोण का शक्ति शेट्टी वाला किरदार सचमुच दमदार था। उन्होंने जबरदस्त परफॉर्मेंस दी, एक्शन सीन में कमाल दिखाया और अपने स्टाइल और आत्मविश्वास से सबको प्रभावित किया। फिल्म में उनका छोटा लेकिन दमदार कैमियो इतना असरदार था कि दर्शक उन्हें और देखने की मांग करने लगे। डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने खुलासा किया कि दीपिका अब जल्द ही लेडी सिंघम के तौर पर अपनी अलग फिल्म में नजर आएंगी, जिससे इस मशहूर कॉप यूनिवर्स का दायरा और बढ़ेगा। इस ऐलान के बाद से ही फैन्स का उत्साह सातवें आसमान पर है। रोहित शेट्टी ने दीपिका के किरदार को बेहद शानदार और यादगार तरीके से पेश किया था और एक इंटरव्यू में बताया था कि लेडी सिंघम जरूर बनेगी और उसकी कहानी की शुरूआती रूपरेखा भी तैयार है। रोहित शेट्टी ने कहा, हमें अभी इसे लिखना बाकी है। हमारे पास एक कॉन्सेप्ट है, लेकिन अभी यह तय नहीं है कि कहानी को कहां तक ले जाएं। मुझे पता है कि किरदार कैसा होगा और उसकी बेसिक कहानी क्या होगी, लेकिन पूरी जर्नी बतौर डायरेक्टर या राइटर अभी तय नहीं है। लेकिन एक फीमेल लीड कॉप फिल्म, जिसमें लेडी सिंघम होगी, जरूर बनेगी। वरना हमने उसे सिंघम अगेन में पेश ही क्यों किया होता। उस किरदार और उसके नाम को जोर देकर दिखाने के पीछे एक खास वजह है। जब हम दीपिका पादुकोण के शक्तध्ि शेट्टी वाले दमदार रोल को याद करते हैं, तो साफ दिखता है कि उन्होंने इस किरदार में एक अलग ही जोश और करिश्मा भर दिया था। उनकी निडर एनर्जी और जबरदस्त मौजूदगी ने गहरी छाप छोड़ी। अब सबको बेसब्री से इंतजार है उनके लेडी सिंघम के रूप में वापसी का, जो एक बार फिर यादगार परफॉर्मेंस देने का वादा करती है।

आपको अल्जाइमर तो नहीं है? घर बैठे लगा सकते हैं इसका पता, डॉक्टर ने बताया आसान तरीका

मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं का खतरा जो पहले उम्र बढ़ने के साथ देखा जाता था, अब कम उम्र के लोग भी इसका शिकार हो रहे हैं। अस्पतालों की ओपीडी में 30 से कम उम्र के लोग कई तरह की न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के साथ पहुंच रहे हैं। डॉक्टर इसे गंभीर चुनौती के रूप में देख रहे हैं। याददाश्त की समस्या, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, व्यवहारिक बदलाव जैसी दिक्कतें अब काफी आम हो गई है। ब्रेन से संबंधित एक और बीमारी का ग्राफ हाल के दशकों में तेजी से ऊपर चढ़ा है। हम बात कर रहे हैं- अल्जाइमर रोग और डिमेंशिया की। अल्जाइमर और डिमेंशिया आमतौर पर 60 की उम्र के बाद होने वाली बीमारी रही है, हालांकि मेडिकल रिपोर्ट्स में चिंता जताई जा रही है कि इसका खतरा अब 50 वर्ष की उम्र में भी लोगों में भी देखा जा रहा है। बदलती जीवनशैली, तनाव, नींद की कमी, असंतुलित आहार और शारीरिक निष्क्रियता के चलते इस बीमारी का खतरा समय से पहले ही देखा जाने लगा है। अब लोगों के मन में बड़ा सवाल ये है कि आखिर कैसे पता लगाया जाए कि किसी को अल्जाइमर रोग है तो नहीं, या फिर इसकी शुरूआत तो नहीं हो रही है?

अल्जाइमर रोग और डिमेंशिया का खतरा

यहां समझना जरूरी है कि अल्जाइमर रोग दरअसल डिमेंशिया का सबसे आम प्रकार है, जिसमें धीरे-धीरे याददाश्त कम होने लगती है, व्यक्ति को अपने आसपास के लोगों, जगहों और घटनाओं की पहचान में कठिनाई होने लगती है। वहीं डिमेंशिया एक व्यापक शब्द है, जिसमें मस्तिष्क की सोचने, याद रखने और निर्णय लेने की क्षमता पर असर पड़ता है। किसी को अल्जाइमर-डिमेंशिय रोग है या नहीं इसका पता लगाने के लिए विशेषज्ञ ने कुछ सवाल बताए हैं जो आपको खुद से पूछने चाहिए, इससे काफी हद तक अंदाजा लगया जा सकता है कि आपको समस्या है या नहीं?

कहीं आपको भी तो नहीं है अल्जाइमर?

जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय में अल्जाइमर विभाग के प्रोफेसर डॉ. पीटर रबिन्स ने 40 वर्षों तक इस बीमारी से पीड़ित लोगों पर अध्ययन किया। वह कहते हैं, ये समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है जिसे लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहना चाहिए। अगर आप वास्तव में चिंतित हैं कि आपको यह बीमारी हो सकती है, तो खुद से कुछ सवाल पूछें, इससे स्थिति स्पष्ट हो सकती है। क्या आपको अपने करीबी दोस्तों या परिवार के सदस्यों के नाम याद रखने में दिक्कत हो रही है? अगर आपको कोई शब्द या नाम याद रखने में दिक्कत हो रही है, तो डॉ. रबिन्स ने बताया कि यह अल्जाइमर का शुरूआती संकेत हो सकता है। 30 या 40 की उम्र में अगर आप अपना चश्मा या चाभियां गलत जगह रख देते हैं और ढूंढ नहीं पाते तो ये अल्जाइमर नहीं है। पर रिश्तेदारों, करीबी दोस्तों या महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में भूल जाना, याद ही न कर पाना कहीं ज्यादा चिंताजनक है।

आपको वो काम करने में भी दिक्कत हो रही है जिन्हें पहले आसानी से करते थे?

अगर आपको अचानक लगे कि पैसों को मैनेज करने या खाना बनाने में दिक्कत हो रही है, जबकि आप दशकों से बिना किसी परेशानी के ऐसा करते आए हैं, तो यह खतरे की घंटी हो सकती है। अचानक काम करने में दिक्कत होने का असली कारण संज्ञानात्मक गिरावट है।

क्या आप ऐसे काम कर सकते हैं जिनमें एक साथ लोगों की जरूरत होती है?

डॉक्टर कहते हैं, जिन क्लीनिकों में अल्जाइमर की जांच की जाती है, वहां मरीजों को गणित के सवालों के जवाब देने को कहा जाता है। यह उनके दिमाग में एक साथ कई चीजें रखने की क्षमता का आकलन करने के लिए होता है। अगर आप एक साथ कई काम करने में असहजता पाते हैं, कई लोगों के साथ काम करने में दिक्कत हो रही है तो ये अल्जाइमर का संकेत हो सकता है।

आप शराब तो नहीं पीते हैं?

डॉ. रबिन्स कहते हैं, 60 की उम्र के बाद हमारा शरीर शराब का ठीक तरीके से मेटाबॉलिज्म नहीं कर पाता है। अगर आप शराब पीते हैं तो इसके कारण भी ब्रेन हेल्थ गड़बड़ हो सकती है और अल्जाइमर होने का खतरा बढ़ सकता है।

कम उम्र की महिलाओं में भी बढ़ रहा ब्रेस्ट कैंसर का खतरा, सामने आई इसकी चौंकाने वाली वजह

स्वीडिश वैज्ञानिकों ने 20 लाख से ज्यादा महिलाओं पर नजर रखी। शोधकताओं ने पाया कि गर्भनिरोधक गोलियों का अधिक

सेवन न सिर्फ ब्रेस्ट कैंसर, बल्कि कई अन्य प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। आज के समय में कैंसर भी उसी तरह से आम हो गया है, जैसा कि डायबिटीज और हृदय रोग। कैंसर को कुछ दशकों पहले तक जानलेवा और लगभग लाइलाज रोग माना जाता था, हालांकि मेडिकल साइंस की प्रगति और प्रभावी दवाओं ने कैंसर के इलाज को न सिर्फ आसान बना दिया है, बल्कि कैंसर रोगी अब ठीक होकर आसानी से जीवन-यापन भी कर सकते हैं। पर अब भी कैंसर वैश्विक स्तर पर मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है, जिसके चलते हर साल लाखों लोगों की मौत हो रही है। साल 2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इस साल लगभग 97 लाख लोगों की मौत कैंसर के कारण हुई। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि साल 2050 तक ये आंकड़ा और भी बढ़ सकता है जिसके कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दवाब पड़ने की भी आशंका है। पुरुषों में फेफड़े और महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामले सबसे ज्यादा रिपोर्ट किए जाते रहे हैं। अकेले ब्रेस्ट कैंसर के कारण ही साल 2022 में 6.70 लाख लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ब्रेस्ट कैंसर के मामले अब 20 की उम्र वाली महिलाओं में भी देखे जा रहे हैं, इसलिए इसकी रोकथाम को लेकर जागरूकता बढ़ाना और स्तन कैंसर से बचाव के लिए निरंतर उपाय करते रहना बहुत जरूरी हो गया है।

ब्रेस्ट कैंसर और इसके जोखिम

इंडियन कैंसर सोसाइटी की हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में हर साल ब्रेस्ट कैंसर के लाखों नए मामले सामने आ रहे हैं और इनमें बड़ी संख्या युवा महिलाओं की है। शोध बताते हैं कि हार्मोनल असंतुलन, मोटापा, तनाव, नींद की कमी, और असंतुलित आहार स्तन कैंसर के प्रमुख कारणों में शामिल हैं।

बार-बार आंखों में दर्द होना सामान्य नहीं जानिए आखिर इसकी वजह क्या है

आंखें शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं इसी की मदद से हम दुनिया की खूबसूरती का आनंद ले पाते हैं। हालांकि समय के साथ आंखों में कई प्रकार की दिक्कतें बढ़ती जा रही है। आंखों की कुछ बीमारियों, संक्रमण या फिर चोट के कारण आपको दर्द की समस्या महसूस होती रह सकती है। आंखों में दर्द के साथ आमतौर पर कई अन्य लक्षण

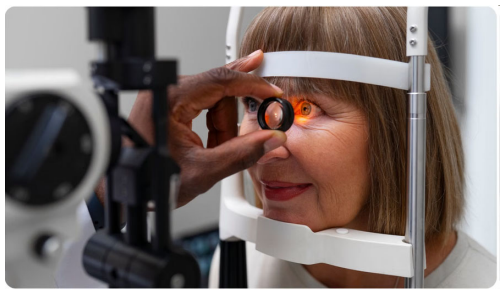

जैसे आंखों की लालिमा, खुजली, और सूजन की दिक्कत भी हो सकती है। इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान देना आवश्यक हो जाता है। मौजूदा समय में आंखों पर सबसे ज्यादा दबाव स्क्रीन टाइम के कारण पड़ रहा है। मोबाइल, लैपटॉप और टीवी के सामने लंबा समय बिताना आंखों को थका देता है। विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार 2-3 घंटे स्क्रीन देखने के बाद आंखों में सूखापन, दर्द और जलन जैसी दिक्कतें होना आम है। इसके अलावा, प्रदूषण, नींद की कमी, ड्राई आई सिंड्रोम और कंजक्टिवाइटिस जैसी स्थितियां भी आंखों में दर्द की वजह बन सकती हैं। नेत्र रोग विशेषज्ञ बताते हैं कि आंखों में बार-बार दर्द होना या धुंधला दिखने को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए क्योंकि यह लक्षण ग्लूकोमा, कॉर्नियल अल्सर या किसी संक्रमण से भी जुड़े हो सकते हैं। इनका समय पर इलाज न मिलने पर आंखों की रोशनी तक जा सकती है।

आंखों में दर्द और अन्य समस्याएं

आंखों में दर्द, कुछ प्रकार की बीमारियों के कारण भी हो सकता है। कंजेक्टिवाइटिस जिसे पिंक आई भी कहा जाता है, ये इसका सबसे प्रमुख कारक है। इसके अलावा चोट के कारण भी आंखों की सतह क्षतिग्रस्त हो जाती है, जिससे दर्द हो सकता है। इंफेक्शन या प्रदूषण भी आंखों के लिए समस्याएं बढ़ाने वाली होती है। ये समस्याएं भले ही सामान्य नजर आती हैं पर अगर इसपर ध्यान न दिया जाए या फिर डॉक्टरी सलाह से उपचार न किया जाए तो इससे आंखों की गंभीर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

आंखों पर जरूरत से ज्यादा दबाव

लंबे समय तक मोबाइल, कंप्यूटर या टीवी स्क्रीन देखने से आंखों पर लगातार दबाव पड़ता है। इस स्थिति को डिजिटल आई स्ट्रेन कहा जाता है। इससे आंखों में दर्द, सिरदर्द, धुंधला दिखना और पानी आना जैसी समस्याएं होती हैं। जब आप बिना ब्रेक लिए घंटों स्क्रीन पर काम करते हैं, तो पलकें कम झपकती हैं, जिससे आंखें सूख जाती हैं। इसके कारण भी आपकी आंखों में दर्द हो सकता है।

ग्लूकोमा की बढ़ती समस्या

ग्लूकोमा एक गंभीर नेत्र रोग है जिसमें आंखों के अंदर का दबाव बढ़ जाता है, जिससे ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचता है। इसके शुरूआती लक्षणों में हल्का दर्द, धुंधला दिखना, सिरदर्द और कभी-कभी मतली शामिल हैं। यह धीरे-धीरे दृष्टि को स्थायी नुकसान पहुंचा सकता है। समय रहते इसका इलाज न कराया जाए तो आंखों की रोशनी तक जा सकती है।

कहीं आंखों में कोई संक्रमण तो नहीं?

जब आप अपने हाथों से आंखों को रगड़ते हैं तो आंखों में वायरस, बैक्टीरिया प्रवेश करके संक्रमण पैदा कर सकते हैं। आंखों में संक्रमण की समस्या आमतौर पर हल्के दर्द, लालिमा और खुजली के साथ शुरू होती है और संक्रमण बढ़ने के साथ आंखों की मांसपेशियों को क्षति पहुंचा सकती है। ऐसे में जरूरी है कि किसी भी संक्रमण को हल्के में न लें और समय रहते इसका उपचार प्राप्त करें।

आंखों में दर्द के क्या कारण हैं?

आंखों में अक्सर होते रहने वाले दर्द के कई कारण हो सकते हैं। इसमें कुछ सामान्य और कुछ गंभीर मामले भी शामिल हैं।

दिनभर की मेहनत और थकान आंखों में दर्द का कारण बन सकती है।

धूप में या अंधकार में अधिक समय बिताने से भी आंखों में सूजन और दर्द की दिक्कत बढ़ सकती है।

धूल, रुखापन या एलर्जेन के कारण भी आंखों में सूजन पैदा हो सकती है जिससे दर्द और कई प्रकार की समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है।

लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल का इस्तेमाल करने की वजह से भी कई लोगों में आंखों के दर्द की समस्या बढ़ती हुई देखी गई है।

सर्दियों मे सूखने लगे हैं होंठ तो अभी से अपनाएं ये घरेलू उपाय, बने रहेंगे मुलायम और गुलाबी

सर्दियां शुरू होते ही हमारी त्वचा के साथ-साथ होंठ भी रूखे, फटने और दर्द देने लगते हैं। बार-बार लिप बाम लगाने के बाद भी कई बार राहत नहीं मिलती, क्योंकि असली देखभाल अंदर से होनी चाहिए। ठंडी हवाएं, कम पानी पीना और मॉइश्चर की कमी, ये सब मिलकर होंठों की नमी छीन लेते हैं। लेकिन चिंता की बात नहीं, क्योंकि कुछ आसान घरेलू नुस्खे अपनाकर आप अपने होंठों को हमेशा गुलाबी और मुलायम रख सकते हैं। सर्दियों में कम पानी पीना होंठों के फटने की सबसे बड़ी वजह है। दिन में कम से कम 8 गिलास पानी जरूर पिएं। साथ ही आइए जानते हैं ऐसे देसी उपाय जो सर्दी में आपके होंठों को नेचुरल ग्लो और नमी देंगे ।

शहद और गुलाब की पंखुड़ियां

एक चम्मच शहद में गुलाब की पंखुड़ियों का पेस्ट मिलाएं और होंठों पर लगाएं। इससे होंठों का नेचुरल कलर और नमी दोनों बरकरार रहते हैं।

नारियल तेल का जादू

रोज रात को सोने से पहले होंठों पर हल्का-सा नारियल तेल लगाएं। यह नेचुरल मॉइश्चराइजर होंठों की सूखापन दूर करता है।

घी का उपयोग

देसी घी होंठों के लिए सबसे पुराना और असरदार नुस्खा है। दिन में दो बार लगाने से फटे होंठ जल्दी ठीक होते हैं।

खीरे में मौजूद पानी और विटामिन ए होंठों की सूखापन दूर करते हैं। इसे 10 मिनट तक लगाकर धो लें।

अमोल मजूमदार की कहानी: जिसे देश के लिए खेलने का मौका नहीं मिला, उसने कोच बन भारतीय टीम को फाइनल तक पहुंचा दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। अमोल मजूमदार की कहानी सिर्फ एक कोच की नहीं है, यह उस खिलाड़ी की गाथा है जिसने कभी भारतीय टीम की जर्सी नहीं पहनी, पर उसने वह कर दिखाया जो शायद भारत के लिए खेलने वाले भी नहीं कर पाए। उन्होंने खुद मैदान पर मौका नहीं पाया, लेकिन दूसरों को वह मौका दिलाया और उसी से भारत को विश्व कप फाइनल तक पहुंचा दिया। भारत की महिला क्रिकेट टीम 2005 और 2017 के बाद सिर्फ तीसरी बार वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है और इस बार उसके चैंपियन बनने की संभावना पहले से कहीं ज्यादा प्रबल है। फाइनल दो नवंबर को दक्षिण अफ्रीका से नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में एक ऐसी ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया जिसे हराना मुश्किल माना जाता है। हालांकि, अमोल मजूमदार के लिए ऐसा करना आसान नहीं था। उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा, न सिर्फ बतौर कोच, बल्कि अपने खेलने के दिनों में भी।

बचपन और इंतजार की शुरूआत

मजूमदार का जीवन एक इंतजार से शुरू हुआ। 1988 में वह 13 साल के थे, जब स्कूल क्रिकेट के टूर्नामेंट हैरिस शील्ड के दौरान नेट्स में अपनी बल्लेबाजी की बारी आने का इंतजार कर रहे थे। उसी दिन अमोल की टीम से ही खेल रहे सचिन तेंदुलकर और विनोद कांबली ने 664 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी की। दिन खत्म हो गया, पारी घोषित कर दी गई, लेकिन अमोल को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। यह घटना उनके जीवन का प्रतीक बन गई। बैटिंग की बारी हमेशा उनसे कुछ दूर ही रही। 1993 में जब उन्होंने बॉम्बे (अब मुंबई) के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया, तो पहले ही मैच में 260 रनों की ऐतिहासिक पारी खेल डाली। यह तब विश्व में किसी भी खिलाड़ी की डेब्यू पारी में सबसे बड़ा स्कोर था। लोग कहने लगे- यह अगला सचिन तेंदुलकर बनेगा। पर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। दो दशक से भी अधिक लंबे करियर में उन्होंने 11,000 से ज्यादा रन बनाए, 30 शतक जड़े, लेकिन कभी भी भारत के लिए एक भी मैच नहीं खेल सके। वो एक सुनहरे युग के खिलाड़ी थे, जब टीम में तेंदुलकर, द्रविड़, गांगुली, लक्ष्मण जैसे सितारे थे। मजूमदार उनके साए में खो गए।

हार नहीं मानी: पिता की एक बात ने सब बदल दिया

2002 तक आते-आते उन्होंने लगभग हार मान ली थी। चयनकर्ता बार-बार नजरअंदाज करते रहे। वो खुद कहते हैं, 'मैं एक खोल में चला गया था, समझ नहीं आ रहा था अगली पारी कहां से निकलेगी।' तभी उनके पिता अनिल मजूमदार ने कहा, 'खेल छोड़ना नहीं, तेरे अंदर अभी क्रिकेट बाकी है।' यह एक वाक्य उनकी जिंदगी बदल गया। उन्होंने वापसी की और 2006 में मुंबई को रणजी ट्रॉफी जिताई। इसी दौरान उन्होंने एक युवा खिलाड़ी रोहित शर्मा को पहली बार फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में मौका दिया। फिर भी, दो दशकों में 171 मैच, 11,167 प्रथम श्रेणी रन, 30 शतक के बावजूद उन्होंने भारत के लिए एक भी मैच नहीं खेला।

कोच बनने की नई राह

सचिन तेंदुलकर ने 2014 में अमोल के संन्यास के वक्त कहा था, 'मजूमदार सच्चे अर्थों में खेल के सेवक हैं।' पर अमोल के मन में एक खालीपन रह गया और वह बताते हैं, 'मैंने भारत के लिए कभी नहीं खेला, यही एक कमी रह गई।' 2014 में क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद उन्होंने कोचिंग का रास्ता चुना। उन्होंने नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों के साथ काम किया। उनकी पहचान एक ऐसे कोच की बनी जो कम बोलता है, लेकिन बहुत गहराई से हर चीज को समझता है। अक्तूबर 2023 में जब उन्हें भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया, तो कई लोगों ने सवाल उठाए कि जिसने भारत के लिए कभी नहीं खेला, वो कोच कैसे बनेगा? लेकिन दो साल बाद, वही लोग उनके सामने सिर झुका रहे हैं।

कबीर खान की तरह टीम को बदला

2025 महिला विश्व कप के ग्रुप स्टेज में भारत का प्रदर्शन खराब रहा। इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से टीम को हार मिली। सोशल मीडिया पर मीम्स बन रहे थे, आलोचना चरम पर थी। तभी मजूमदार ने टीम के सामने कड़े शब्दों में प्रतिक्रिया दी। हरमनप्रीत कौर बाद में बोलीं, 'मैंने इंग्लैंड मैच के बाद एक शब्द नहीं बोला। सर ने कहा- आप लोगों को यह मैच आसानी से खत्म करना चाहिए था। हम सबने उसे सही भावना में लिया क्योंकि अमोल सर जो भी कहते हैं, दिल से कहते हैं।' मजूमदार ने उस समय कहा, 'वह बात भावना से आई थी, लेकिन मकसद टीम को आगे बढ़ाना था।' यह वही पल था जिसने पूरी टीम की सोच बदल दी। उस एक बातचीत ने आपको उस आदमी के बारे में सब कुछ बता दिया, जिसने चक दे! इंडिया में शाहरुख खान के कबीर खान की तरह व्यक्तिगत अस्वीकृति को सामूहिक जीत में बदल दिया।

सेमीफाइनल: बस एक रन ज्यादा चाहिए

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले, उन्होंने ड्रेसिंग रूम की व्हाइटबोर्ड पर सिर्फ एक लाइन लिखी, 'हमें फाइनल में पहुंचने के लिए बस उनसे एक रन ज्यादा चाहिए, बस इतना।' साधारण वाक्य, लेकिन गहरी सोच। फिर चमत्कार हुआ। जेमिमा रॉड्रिग्स ने नंबर तीन पर बल्लेबाजी की, जैसा कि मजूमदार ने तय किया था। उन्होंने 127 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 89 रन बनाए। भारत ने 339 रनों का पीछा कर ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया। महिलाओं के वनडे इतिहास का सबसे बड़ा सफल चेज किया। टीम उछल पड़ी, लेकिन अमोल मजूमदार खामोश खड़े रहे। उनकी आंखों में नमी थी और चेहरा शांत था। उन्होंने कोई जश्न नहीं मनाया। उनके लिए यह जीत नहीं, एक अधूरी कहानी का अंत थी। कहानी यह कि- जिसने कभी भारत की जर्सी नहीं पहनी, उसने कोच बनकर भारतीय टीम को विश्व कप फाइनल तक पहुंचा दिया।

11 रन बनाकर भी बाबर आजम ने बना दिया बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम भारत के रोहित शर्मा और विराट कोहली को पीछे छोड़कर टी20

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। बाबर ने शुक्रवार रात लाहौर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में 18 गेंदों पर 11 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की। बाबर ने अब तक 123 मैचों में 39.57 की औसत से 4234 रन बनाए हैं, लेकिन सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल अन्य खिलाड़ियों की तुलना में उनका स्ट्राइक रेट और छक्कों की संख्या कम है। बाबर का स्ट्राइक रेट 128.77 है और उन्होंने 73 छक्के लगाए हैं। इस मामले में रोहित, कोहली, जोस बटलर और पॉल स्टर्लिंग उनसे आगे हैं।

रोहित और विराट का कमाल का स्ट्राइक रेट

रोहित का स्ट्राइक रेट 140.89 है और उन्होंने अपने करियर में 205 छक्के लगाए हैं। विराट का स्ट्राइक रेट 137.04 है और उन्होंने 124 छक्के लगाए हैं। रोहित बटलर का स्ट्राइक रेट 148.97 है और उन्होंने 172 छक्के लगाए हैं जबकि आयरलैंड के स्टर्लिंग का स्ट्राइक रेट 134.86 है और उन्होंने 133 छक्के लगाए हैं।

रोहित के शतक बाबर से ज्यादा

रोहित ने 159 टी20 मैचों में 32.05 की औसत से 4231 रन बनाए, जबकि कोहली ने 125 मैचों में 48.69 की औसत से 4188 रन बनाए। रोहित रन बनाने वालों में दूसरे और कोहली तीसरे नंबर पर हैं। इन दोनों ने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया है। बाबर का टी20 में औसत 39.57 का है। बाबर ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में तीन शतक और 36 अर्धशतक लगाए हैं, जबकि रोहित के नाम पांच शतक और 32 अर्धशतक हैं।

जीएसटी कटौती से छोटी कारों की बिक्री में आई तेजी: मारुति सुजुकी चेयरमैन

एजेंसी

नई दिल्ली। अग्रणी वाहन विनिमार्ता मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से छोटी कारों की मांग में आई तेजी दशार्ती है कि भारतीय उपभोक्ताओं के अब छोटी कारों की जगह बड़े आकार वाले वाहनों को प्राथमिकता देने की धारणा गलत है। भार्गव ने कहा कि बदले हुए हालात में कुछ कार विनिमार्ता कंपनियां अपने उत्पादों की पेशकश में संशोधन कर सकती हैं। भार्गव ने कंपनी के तिमाही नतीजों पर चर्चा के दौरान संवाददाताओं से कहा कि मारुति सुजुकी अपनी पांचवें विनिर्माण संयंत्र की स्थापना का फैसला करने के करीब है और अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा की जा सकती है। जीएसटी दरों में कमी के समग्र वाहन बिक्री पर पड़े प्रभावों पर उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी 2030-31 के लिए अपने उत्पादन और बिक्री अनुमान में संशोधन करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा, त्योहारों के दौरान हमारी खुदरा बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर रही, जिसमें छोटी कारों की बिक्री का प्रमुख योगदान रहा। बड़ी कारें भी बिक रही हैं, लेकिन उतनी ज्यादा नहीं। जीएसटी दरों में संशोधन के बाद 1,200 सीसी से कम इंजन क्षमता और 4,000 मिमी तक लंबाई वाले पेट्रोल, एलपीजी एवं सीएनजी वाहनों पर जीएसटी कर की दर 28 प्रतिशत एवं उपकर से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है।

उद्योगों को बैंक ऋण की वृद्धि दर सितंबर में घटकर 7.3 प्रतिशत रही: आरबीआई

एजेंसी

नई दिल्ली। सितंबर में उद्योगों को दिए जाने वाले बैंक ऋण की वृद्धि घटकर 7.3 प्रतिशत रह गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 8.9 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आरबीआई ने कहा कि सालाना आधार पर 19 सितंबर, 2025 को समाप्त पखवाड़े तक गैर-खाद्य बैंक ऋण में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल के इसी पखवाड़े (20 सितंबर, 2024) के दौरान यह 13 प्रतिशत थी। केंद्रीय बैंक ने सितंबर के लिए बैंक ऋण के क्षेत्रीय आवंटन पर आंकड़े जारी किए हैं, जो 41 चुनिंदा वाणिज्यिक बैंकों से जमा किए हैं। ये ऋण सभी बैंकों के कुल गैर-खाद्य ऋण का लगभग 95 प्रतिशत हैं। सितंबर महीने में बैंक ऋण के क्षेत्रवार आवंटन पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक, उद्योगों को दिए गए ऋण में पिछले साल के इसी पखवाड़े में 8.9 प्रतिशत की तुलना में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

शिवम दुबे से पहले हर्षित को मौका क्यों? अभिषेक ने खोला 'लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन' का प्लान!

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने खुलासा किया कि शिवम दुबे से पहले हर्षित राणा को बढ़ावा देना मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20क के दौरान बाएं-दाएं संयोजन स्थापित करने की योजना का नतीजा था। जबकि कई लोग हर्षित को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर बल्लेबाजी करते देखकर हैरान थे, अभिषेक बेफिक्र रहे, क्योंकि उन्हें हर्षित की बल्लेबाजी क्षमता का अंदाजा था, जो नेट्स में उनके संघर्ष की बदौलत था। बल्लेबाजी के लिए बुलाए जाने के बाद पहली पारी में भारत के बुरे प्रदर्शन के दौरान, अभिषेक (68) और हर्षित (35) दो ऐसे सूत्रधार थे जिन्होंने मेहमान टीम को मुकाबले में बनाए रखा। ऑस्ट्रेलिया के घातक तेज आक्रमण ने भारत को बुरी तरह से झकझोर दिया, जिसमें जोश हेजलवुड और नाथन एलिस ने शीर्ष क्रम को आसानी से ध्वस्त कर दिया। अभिषेक ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा कि मुझे पता था कि हर्षित बल्लेबाजी कर सकता है क्योंकि उसने नेट्स में मुझे कई छक्के मारे थे। इसलिए, मुझे पता था कि वह बल्लेबाजी कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ में आ रहा सीवर मिक्स पानी,बीमार हुए लोग, धरने पर बैठे

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ के इंदिरानगर सी ब्लॉक में गंदा पानी आने पर लोग सड़क पर बैठे हुए हैं। लोगों का कहना है कि अप्रैल से गंदा पानी आ रहा। इसमें टॉयलेट सहित अन्य गंदगी आ रही। वीपी सिंह ने कहा कि अप्रैल से यह समस्या बनी हुई है। जलकल विभाग के अधिकारी सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं। कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। इसके कारण समस्या बनी हुई है। हम लोग मलयुक्त पानी पीने को मजबूर हो गए हैं।गिरधर सिंह ने कहा कि गंदा पानी आ रहा है। इस लाइन से लगभग 200 घर प्रभावित हो रहे हैं। सीवरयुक्त गंदा पानी आने से लोग बीमार हो चुके हैं। यह अप्रैल से लगातार हो रहा है। जल संस्थान के अधिकारी कर्मचारी आते हैं। हल्का-फुल्का काम करके चले जाते हैं, लेकिन बदबूदार पानी से निजात नहीं मिल पा रही। कोई सुनने वाला नहीं है। खरीदकर पानी पीना पड़ रहा है। मनराल सिंह ने बताया कि हम लोग थक चुके हैं। कोई सुनने वाला नहीं है। अब लोग घरों से निकलकर धरना दे रहे हैं। जलकल विभाग के अधिकारियों के खिलाफ लोगों ने नारेबाजी कर रहे हैं। अधिकारियों होश में आओ, जल कल विभाग मुदार्बाद के नारे लगा रहे हैं। लोगों ने कहा कि जब तक सफाई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचेंगे और लाइन को साफ नहीं करेंगे तब तक धरना प्रदर्शन चलता रहेगा।

बिजली कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन वर्टिकल व्यवस्था लागू का विरोध

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन निविदा,संविदा कर्मचारी संघ लखनऊ की ओर से शनिवार को वर्टिकल व्यवस्था लागू किए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया गया। संगठन ने अधीक्षण अभियंता तालकटोरा कार्यालय पर प्रदर्शन कर उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष को संबोधित ज्ञापन सौंपा।संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि 15 नवंबर से लखनऊ सहित अन्य जनपदों में प्रस्तावित वर्टिकल व्यवस्था लागू की जा रही है, जिसका कर्मचारियों और उपभोक्ताओं दोनों पर नकारात्मक असर पड़ेगा। कर्मचारियों ने कहा कि लखनऊ के 154 बिजली घरों में उपभोक्ता अपनी शिकायतें नजदीकी केंद्र पर दर्ज कराते हैं, जबकि नई व्यवस्था में केवल 21 हेल्प डेस्क बनाए जा रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं को शिकायत दर्ज कराने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी। संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि अबतक 33,000 वोल्ट, 11,000 वोल्ट और बिलिंग से जुड़ी सभी शिकायतों का समाधान एक ही अधिशासी अभियंता से हो जाता था, लेकिन नई व्यवस्था में तीन अलग-अलग अधिकारियों से संपर्क करना पड़ेगा, जिससे उपभोक्ताओं को अतिरिक्त परेशानी होगी। देवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि वर्टिकल व्यवस्था लागू करने से वर्षों से कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी बेरोजगार हो जाएंगे और पावर कॉर्पोरेशन पर आर्थिक भार भी बढ़ेगा। संगठन ने यह भी बताया कि जिन जनपदों में पहले से यह व्यवस्था लागू की गई है, वहां संबंधित संगठनों ने प्रबंधन से कई सवाल पूछे हैं, लेकिन अब तक किसी निदेशक ने जवाब नहीं दिया है।संघ ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार वर्टिकल व्यवस्था को लागू करने पर अड़ी रही, तो आंदोलन को तेज किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन की होगी।

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार पिता की तहरीर पर मामला दर्ज

लखनऊ(संवाददाता)। काकोरी थाना क्षेत्र में किशोरी से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी दुनमुन उर्फ अतीक अहमद को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता के पिता ने अपनी शिकायत में बताया कि उनकी 16 वर्षीय बेटी को दुनमुन उर्फ अतीक अहमद (26) ने बीती रात करीब 10 बजे मारपीट कर बहला-फुसलाकर घर से ले गया। आरोप है कि आरोपी ने गांव में ही बंद पड़े एक मकान के बरामदे में किशोरी के साथ रेप किया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पीड़िता और आरोपी एक-दूसरे को पहले से जानते थे और उनके बीच फोन पर बातचीत होती थी। घटना वाली रात दोनों गांव के एक बंद मकान में मिले थे। जब किशोरी देर रात तक घर नहीं लौटी तो उसके पिता ने तलाश शुरू की। कुछ समय बाद जब वह घर पहुंची, तो पूछताछ में उसने पूरी घटना अपने पिता को बताई। इसके बाद पिता ने काकोरी थाने में शिकायत दर्ज कराई। प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी दुनमुन उर्फ अतीक अहमद को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

भाकपा ने निकाला विरोध मार्च प्रदर्शनकारी बोले-दलितों पर हो रहा हमला

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में भाकपा माले ने विरोध मार्च निकाला। भाकपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता हाथों में लाल झंडा लेकर परिवर्तन चैक से जिलाधिकारी कार्यालय तक मार्च किया। जिला प्रभारी रमेश सिंह सेंगर के नेतृत्व में निकले मार्च में आशा वर्कर भी शामिल हुईं। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रदेश में दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यक पर हमले हो रहे हैं। महिलाएं हिंसा का शिकार हो रही हैं। गैंपरेप हो रहा है। इन घटनाओं पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। रमेश सेंगर ने कहा कि लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में लगातार अपराध बढ़ रहा है। बीते दिनों काकोरी में दलित युवक को पेशाब चटवाने का शर्मनाक मामला सामने आया, जिसने मानवता को शर्मसार कर दिया। सुल्तानपुर में दलित युवक राजकुमार की हत्या कर दी गई। प्रयागराज में रविंद्र को जाति सूचक गलियां देकर पत्थर मार कर हत्या कर दी गई। यह घटनाएं बताती हैं कि यूपी में दलितों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। रमेश सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून राज खत्म हो चुका है। सीएम योगी बिहार में जाकर यूपी के कानून व्यवस्था की तारीफ करते हैं मगर सच कुछ और है। आज भी महिलाएं उत्तर प्रदेश में सुरक्षित नहीं है घरों से बाहर निकलने में डरती है लूट और रेप जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। प्रदेश की घटनाओं का जिक्र करके हमने ज्ञापन को जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को भेजा है। संबंधित घटनाओं में सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शन में शामिल आशा वर्कर सीमा ने कहा कि हम लोग महिलाओं की सुरक्षा और अपने मांगों को लेकर इस प्रदर्शन का हिस्सा बने हैं। इन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में लंबे समय से आशा वर्कर अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रही हैंश मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

महिला क्रिकेट को लेकर यूपीसीए का बड़ा फैसला

प्रसार भारती चेयरमैन नवनीत सहगल बने गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी क्रिकेट एसोसिएशन ने कानपुर में हुई सालाना आम बैठक में नौ नए पदाधिकारियों को शामिल किया, जिससे लखनऊ का रुतबा बढ़ गया। सबसे बड़ी बात प्रसार भारती के चेयरमैन और पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. नवनीत सहगल का महिला क्रिकेट गवर्निंग काउंसिल काचेयरपर्सन के तौर पर अपॉइंटमेंट था। अपॉइंटमेंटयूपीसीए के पुरुषों के लिए सफल यूपी टी 20 लीग के बाद महिलाओं की टी 20 लीग के बड़े प्लान का हिस्सा है। नवनीत सहगल की लीडरशिप में लीग टैलेंट को आगे बढ़ाएगी और उत्तर प्रदेश को नेशनल महिला क्रिकेट में एक लीडिंग राज्य के तौर पर स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। यूपीसीए के सीनियर अधिकारी के मुताबिक, नवनीत सहगल का अनुभव और विजन महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। डॉ. नवनीत कुमार सहगल उत्तर प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी के सबसे असरदार लोगों में से एक हैं। 1963 में पंजाब के फरीदकोट में जन्मे सहगल ने शुरूआती पढ़ाई अंबाला और हरियाणा के भिवानी में की। 1988 बैच के आईएएस ऑफिसर के तौर पर 35 साल तक सर्विस की, जो जुलाई 2023 में खत्म हुई। रिटायरमेंट के बाद भी उनका करियर बना रहा। मार्च 2024 में उन्हें भारत सरकार ने प्रसार भारती का चेयरमैन बनाया, जहाँ वे देश के सबसे बड़े पब्लिक ब्रॉडकास्टर दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो की देखरेख करते हैं।पॉलिटिकल बदलाव की आंधी में भी सहगल का करियर स्थिर रहा। मायावती सरकार में लखनऊ के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट और उनके प्रिंसिपल सेक्रेटरी के तौर पर काम किया। अखिलेश यादव के समय में उन्होंने मीडिया और पब्लिक रिलेशन्स को फिर से जिंदा किया। योगी आदित्यनाथ सरकार में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी के तौर परइन्फॉर्मेशन, स्पोर्ट्स और यूथ वेलफेयर ,एमएसएमई डिपार्टमेंट संभाले, ष्वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्टष जैसी स्कीमों को बढ़ावा दिया। यूथ एम्पावरमेंट पर फोकस किया। डॉ. सहगल के अलावा पूर्व इंटरनेशनल महिला क्रिकेटर प्रियंका शैली को महिला क्रिकेट गवर्निंग काउंसिल काचेयरपर्सन बनाया गया। लखनऊ में महिला क्रिकेट की लंबे समय से प्रमोटर रही शैली लीग का स्ट्रक्चर डेवलप करने के लिए सहगल के साथ काम करेंगी। पूर्व रणजी खिलाड़ी कमलकांत कनौजिया को जूनियर सिलेक्शन कमिटी का चेयरपर्सन बनाया गया, जो युवा टैलेंट को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे।सीएल सेक्रेटरी केएम खान को एडवाइजरी कमेंटी में रखा गया, बीसीसीआई लेवल वन अंपायर एसपी सिंह को अंपायर कमेटी का कन्वीनर बनाया गया, रत्नेश मिश्रा को क्रिकेट टैलेंट कमेटी का सदस्य बनाया गया, अभिनव दीक्षित और श्वेता सिंह को महिला क्रिकेट गवर्निंग काउंसिल का सदस्य बनाया गया, फैसल अल्वी को दिव्यांग कमेटी का चेयरपर्सन बनाया गया।

एसटीएफ ने पकड़ी 75 लाख की शराब बिहार चुनाव में खपाने की थी तैयारी

लखनऊ(संवाददाता)। स्पेशल टास्क फोर्स ने 75 लाख की अवैध शराब पकड़ी है। यूरिया खाद की बोरियों में तस्कर शराब को छिपाकर बिहार ले जा रहे थे, जहां पर चुनाव के दौरान इसका इस्तेमाल होना था। यूपी एसटीएफ ने अन्तर्राज्यीय स्तर पर अवैध शराब की तस्करी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। शराब की अवैध तस्करी के आरोप में विश्ववेंद्र नाम का एक आरोपित भी एसटीएफ के हत्थे चढ़ा है। दरअसल, एसटीएफ को यूपी में अवैध शराब की तस्करी करने वाले गिरोह की जानकारी मिली थी। जिसके बाद इंस्पेक्टर महाबीर सिंह की अगुवाई में इंस्पेक्टर दीपक सिंह, इंस्पेक्टर रिजवान समेत समशेर सिंह, भूपेंद्र सिंह, अंकित सिंह, अंकित पाण्डेय की टीम ने लखनऊ के अलग-अलग जगहों पर जाकर जांच की। इसी दौरान उन्हें जानकारी मिली कि एक कंटेनर किसान पथ पर जा रहा है, जिसमें भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बिहार ले जायी जा रही है। सूचना मिलते ही एसटीएफ की टीम ने किसान पथ पर उस कंटेनर को घेर लिया और जांच की। जांच के दौरान कंटेनर में यूरिया खाद की बोरियों में 575 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपित ने एसटीएफ की पूछताछ में बताया कि सोनू राठी, गुरनीत सिंह गोगिया और अतुल का एक संगठित गिरोह है, जो हरियाणा और पंजाब राज्य से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बिहार राज्य में सप्लाई कराते है।

मुस्लिम समुदाय के बाद ओबीसी को साधने में जुटी मायावती, पदाधिकारियों के साथ बनाई रणनीति

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने शनिवार को लखनऊ में पार्टी कार्यालय में पदाधिकारियों की बैठक की।

बैठक में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश स्टेट की जिला स्तरीय पिछड़ा वर्ग समाज भाईचारा संगठन की अलग से ली गयी मासिक बैठक में ओबीसी समाज को पार्टी से जोड़ने के लिए दिये गये पिछले दिशा-निदेशों की गहन समीक्षा की गयी। बैठक के बाद जारी बयान के अनुसार ओबीसी समाज को बसपा में जोड़ने हेतु पिछले कुछ महीने पूर्व उनके द्वारा ली गयी बड़ी बैठक में दिये गये जरूरी दिशा-निर्देश पर जमीनी अमल की समीक्षा की व जिलावार प्रगति रिपोर्ट भी ली। पार्टी को आर्थिक सहयोग देने के लिए भी जरूरी दिशा-निर्देश दिये गये। बयान के मुताबिक चुनाव आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश सहित देश के 12 राज्यों में कराये जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर के महत्व को समझाते हुये उन्हें चुनाव आयोग की गाइडलाइन्स को पूरी तत्परता से पूरा करने का जरूरी निर्देश भी दिया। मायावती ने कहा है कि बसपा के राजनीतिक संघर्ष में हर व्यक्ति के वोट की अति-महत्वपूर्ण भूमिका है। इसीलिये चुनाव में वोट डालने की संवैधानिक जिम्मेदारी को पूरा करने के लिये सभी योग्य लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम व वोटर कार्ड बनवाना बहुत जरूरी है और जिसके सम्बंध में यह मासिक बैठक निर्धारित 10 नवम्बर के बजाय आज 01 नवम्बर को बुलाई गयी है। बसपा प्रमुख ने यह भी कहा कि ओबीसी समाज पार्टी के बैनर तले सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करने के लिये जितनी जल्दी संगठित होकर मजबूती से कार्य करेगा उनके अच्छे दिन उतने ही जल्दी जरूर आयेंगे।

वर्टिकल व्यवस्था के खिलाफ विरोध प्रदर्शन एवं असहयोग आंदोलन

लखनऊ(संवाददाता)। पावर कॉरपोरेशन निविदा,संविदा कर्मचारी संघ लखनऊ ने पावर कारपोरेशन में वर्टिकल व्यवस्था के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और असहयोग आन्दोलन शुरू कर दिया है। यह जानकारी प्रदेश महामंत्री देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने दी। उन्होने कहा कि पावर कापोरेशन प्रबन्धन द्वारा वर्तमान व्यवस्था के स्थान पर वर्टिकल व्यवस्था लागू किया जा रहा है। जिससे जहां एक तरफ वर्षों से कार्य कर रहे बिजली आउटसोर्स कर्मचारी बेरोजगार होंगे तथा उनकी दुर्घटनाओं में वृद्धि होगी वहीं दूसरी तरफ उपभोक्ताओं को बिजली संकट का सामना करना पड़ेगा एवं विभाग पर आर्थिक भार बढ़ेगा। जिसको ध्यान में रखकर उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा,संविदा कर्मचारी संघ लखनऊ द्वारा वर्टिकल व्यवस्था लागू करने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन एवं असहयोग आन्दोलन करने का निर्णय लिया गया था।

गाजीपुर में यातायात माह का शुभारंभ, सड़क सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान शुरू

गाजीपुर। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को यातायात माह नवंबर का शुभारंभ किया गया। पुलिस ऑफिस परिसर से अपर पुलिस अधीक्षक सिटी ज्ञानेंद्र प्रसाद और एडीएम वित्त एवं राजस्व दिनेश कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर तथा रैली को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनें और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाना न भूलें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन न केवल कानूनी जिम्मेदारी है बल्कि यह जीवन की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। अभियान के दौरान यातायात पुलिस द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम, गोष्ठियां, नुक्कड़ नाटक और विद्यालयों में पंपलेट वितरण जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों के बारे में लोगों को बताया जाएगा ताकि सड़क हादसों में कमी लाई जा सके। अपर जिला अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि शासन का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतों की संख्या को कम करना है। उन्होंने कहा कि यदि इस अभियान से लोग थोड़े भी जागरूक हुए, तो आने वाले समय में सड़क हादसों में कमी निश्चित रूप से आएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जागरूकता अभियान के बाद भी जो लोग यातायात नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ चालान की कार्रवाई की जाएगी। शुभारंभ कार्यक्रम में यातायात पुलिसकर्मी, छात्र-छात्राएं, और शहर के कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रयागराज के शंकरगढ़ में धूमधाम से मनाया गया बाबा खाटू श्याम जी का जन्मोत्सव

प्रयागराज। शंकरगढ़ के हाथी गली स्थित मारुति नव दुर्गा पूजा कमेटी द्वारा शुक्रवार को बाबा खाटू श्याम जी का जन्मोत्सव बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कमेटी के सदस्यों ने केक काटकर बाबा श्याम का जन्मदिन मनाया। "हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा" के जयकारों से पूरा नगर गूंज उठा। भव्य सजावट और भक्ति संगीत के बीच श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में पूजा-अर्चना की। आयोजन में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। कमेटी द्वारा सभी भक्तों को प्रसाद वितरण भी किया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा श्याम का जन्मोत्सव शंकरगढ़ में भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने बाबा से परिवार, समाज और देश की खुशहाली की कामना की। बता दें कि देशभर में आज खाटू श्याम जी का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। राजस्थान के खाटू धाम सहित अनेक स्थलों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। खाटू श्याम जी को "हारे का सहारा" कहा जाता है। महाभारत काल में बर्बरीक नाम से प्रसिद्ध श्याम जी ने भगवान श्रीकृष्ण को अपना शीश समर्पित किया था। उनके इस त्याग, भक्ति और धर्म के प्रति समर्पण से प्रसन्न होकर श्रीकृष्ण ने उन्हें वरदान दिया कि कलियुग में वे "श्याम" नाम से पूजे जाएंगे और हर दुखी, निराश और पीड़ित व्यक्ति के सहारा बनेंगे। कार्यक्रम में भक्तों की भीड़, भक्ति झांकी और केक काटते कमेटी के सदस्य देखते ही बन रहे थे।

रिटायरमेंट में रोमांस: नगर निगम के जेई राजकुमार का "बार-बैलेंस" बिगड़ा

गोरखपुर। नगर निगम के अवर अभियंता (जेई) राजकुमार की विदाई पार्टी इन दिनों शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है। 31 अक्टूबर को रिटायर हुए राजकुमार ने मेडिकल कॉलेज रोड स्थित एक रिसॉर्ट में ऐसी पार्टी दी, जिसने सरकारी महकमों की साख पर सवाल खड़े कर दिए। पार्टी में बार-बालाओं के संग राजकुमार जी के ठुमके और उड़ते नोटों का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। ह्बार-बार आओ नाह्न गीत पर उन्होंने ऐसा डांस किया मानो रिटायरमेंट नहीं, प्रमोशन हुआ हो। पार्टी में बार, शराब और नाच-गाने का पूरा इंतजाम था। उपस्थित लोगों ने कहा कि यह नजारा किसी शादी समारोह से कम नहीं लग रहा था, फर्क बस इतना था कि यहां बारात नहीं, बार थी। जानकारी के अनुसार, राजकुमार का नाम पहले भी भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के मामलों में चर्चा में रहा है। बताया जा रहा है कि उनके खिलाफ शासन स्तर पर कार्रवाई प्रस्तावित थी, मगर रिटायरमेंट से पहले ही मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

फिल्म अभिनेता तुषार कपूर से मिलवाने के नाम पर ठगी – लोगों ने किया हंगामा, पुलिस ने संभाली स्थिति

स्वदेशी इनक्रेडिबल, गोरखपुर। गोरखपुर में फिल्म अभिनेता तुषार कपूर से मुलाकात कराने और फोटो खिंचवाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। आयोजनकताओं विशाल मोदनवाल और अमन गुप्ता पर आरोप है कि उन्होंने कई लोगों से मोटी रकम लेकर मिलने का वादा किया, लेकिन वादा पूरा न होने पर लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को शांत कराया। ठगी के शिकार लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि आयोजकों ने "सेलिब्रिटी मीट" के नाम पर पैसे लिए थे, लेकिन कार्यक्रम में न तो मुलाकात हुई और न ही फोटो सेशन कराया गया। पुलिस ने पीड़ितों की तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर में कुख्यात पशु तस्कर जवाहिर यादव मुठभेड़ में घायल

कुस्मही जंगल के पास हुई पुलिस से मुठभेड़, बिहार का निवासी बताया जा रहा आरोपी

गोरखपुर। जिले में पुलिस और पशु तस्करों के बीच चल रही कार्रवाई के दौरान शुक्रवार को एक बड़ी सफलता मिली। कुख्यात पशु तस्कर जवाहिर यादव पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उसे पकड़कर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ कुस्मही जंगल के पास हुई, जहां पुलिस टीम ने पशु तस्करों को घेरने की कोशिश की। इस दौरान तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए जवाहिर यादव को घायल कर पकड़ लिया, जबकि उसके कुछ साथी मौके का फायदा उठाकर भाग निकले। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जवाहिर यादव बिहार के बगहा जिले का रहने वाला है और उसके खिलाफ गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर और बिहार में पशु तस्करी, चोरी और अवैध व्यापार से जुड़े 30 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह लंबे समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था और हर बार गिरफ्तारी से बच निकलता था। गोरखपुर पुलिस ने बताया कि आरोपी पर कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं और उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब उसकी संपत्ति की जांच और जब्ती की प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। इस मुठभेड़ के बाद पुलिस ने बताया कि जिले में पशु तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। हाल के महीनों में कई गिरोहों पर कार्रवाई हुई है और दर्जनों तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष भी 25 हजार रुपये के इनामी पशु तस्कर इमरान अली को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया था, जो बिहार से गोरखपुर और आसपास के जिलों में पशु तस्करी करता था। उसे भी मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगी थी। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा ताकि क्षेत्र में पशु तस्करी की घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

गोरखपुर में सर्व समाज सेवा संस्थान द्वारा जरूरतमंदों को कपड़े वितरित किए गए

ठंड से राहत दिलाने के उद्देश्य से चलाया गया वस्त्र वितरण अभियान

गोरखपुर। समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही सर्व समाज सेवा संस्थान ने इस वर्ष भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए गरीबों और जरूरतमंदों के बीच कपड़े वितरित किए। इस अभियान के माध्यम से संस्था ने समाज के वंचित वर्गों को ठंड से राहत पहुंचाने का प्रयास किया। संस्थान की ओर से करीब ढाई सौ लोगों को गर्म कपड़े, स्वेटर, कंबल आदि वितरित किए गए, जिससे जरूरतमंद परिवारों को ठंड के मौसम में कुछ राहत मिल सके। संस्थान के सदस्यों ने बताया कि यह वस्त्र वितरण अभियान पिछले 11 वर्षों से लगातार चलाया जा रहा है। हर साल संस्था सक्षम लोगों से अपील करती है कि वे अपने घर में प्रयोग न होने वाले नए या पुराने गर्म कपड़े, कंबल और जूते जरूरतमंदों की सहायता के लिए दान करें, क्योंकि "आपका छोटा-सा योगदान किसी की ठंड में बड़ी राहत बन सकता है।" इस अवसर पर संस्था के प्रमुख सदस्यों — दीपक मिश्रा, धीरज गुप्ता, रूपेंद्र सिंह थापा, ब्रजनाथ मौर्य, भारद्वाज दुबे, पप्पू सिंह, लालदेव यादव, अजय कनौजिया, वीर बहादुर यादव, दिनेश निषाद, बग्गी सागर आदि लोग विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के हर वर्ग को एक-दूसरे की मदद के लिए आगे आना चाहिए ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड, भूख या अभाव से पीड़ित न रहे।

भाजपा पूर्व विधायक डुमरियागंज राघवेंद्र प्रताप सिंह के बयान पर आप प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव का पलटवार

लखनऊ। भाजपा के पूर्व विधायक डुमरियागंज राघवेंद्र प्रताप सिंह के विवादित बयान को लेकर आम आदमी पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) नीलम यादव ने कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि "हिंदू लड़का मुस्लिम लड़की को लेकर आएगा तो सरकारी नौकरी दी जाएगी" जैसा बयान बेहद निंदनीय है और समाज में नफरत फैलाने वाला है। नीलम यादव ने कहा कि इस तरह की बयानबाजी से आपसी भाईचारा खत्म करने और दंगा भड़काने की साज़िश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार चुनाव को देखते हुए भाजपा हिंदू वोट बैंक साधने का प्रयास कर रही है, लेकिन जनता अब धर्म की राजनीति को समझ चुकी है और इस बार वोट विकास के मुद्दे पर ही पड़ेगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश में बढ़ते भ्रष्टाचार को लेकर भी सरकार को घेरा। नीलम यादव ने कहा कि महानगर चौकी इंचार्ज का वायरल वीडियो योगी सरकार की पुलिस की निरंकुशता और भ्रष्टाचार की पोल खोलता है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी 12 नवंबर से 24 नवंबर तक रोजगार के मुद्दे पर राज्यसभा सांसद एवं यूपी प्रभारी संजय सिंह के नेतृत्व में पदयात्रा निकालेगी। नगर निगम में महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त के बीच चल रहे विवाद पर भी उन्होंने कहा कि प्रशासन में बैठे भ्रष्ट अधिकारी जनता की समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय टकराव की स्थिति पैदा कर रहे हैं।

कचहरी बस स्टैंड की 38 दुकानों पर संकट, दुकानदारों ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र – रोजी-रोटी बचाने की लगाई गुहार

संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर के कचहरी बस स्टैंड स्थित नगर निगम की 38 दुकानों को तोड़े जाने की सूचना से दुकानदारों में हड़कंप मच गया है। दुकानदारों ने अपनी रोजी-रोटी बचाने की गुहार लगाते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा है। पत्र में दुकानदारों ने बताया कि ये सभी दुकानें नगर निगम द्वारा आवंटित हैं, जिनसे वे वर्षों से अपना व्यवसाय कर रहे हैं और इन्हीं दुकानों से उनके परिवार का भरण-पोषण होता है। प्रशासन द्वारा कचहरी बस स्टैंड से होकर गुजरने वाली सड़क को स्मार्ट रोड बनाने की योजना के अंतर्गत दुकानों को तोड़ने की सूचना दी गई है। दुकानदारों ने पत्र में कहा है कि — "हम सभी मध्यमवर्गीय परिवार से हैं। अगर ये दुकानें टूट गईं, तो हमारी रोजी-रोटी छिन जाएगी, हमारे बच्चों की शिक्षा और परिवार का जीवन संकट में पड़ जाएगा।" उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सड़क का सबसे अधिक दबाव शास्त्री चौराहे से डॉ. भीमराव अंबेडकर चौराहे के बीच रहता है, जहाँ 17 मीटर चौड़ीकरण की स्वीकृति दी गई है। वहीं, डॉ. अंबेडकर चौक से छात्रसंघ चौराहे तक की सड़क पहले से ही अपेक्षाकृत चौड़ी है। दुकानदारों ने अपील की है कि सड़क चौड़ीकरण की सीमा 17 मीटर तक ही रखी जाए ताकि उनकी दुकानें न टूटें और रोजी-रोटी का संकट समाप्त हो सके। दुकानदारों की ओर से भेजे गए इस पत्र की प्रतिलिपि सांसद गोरखपुर, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, और गोरखपुर विकास प्राधिकरण के सचिव को भी भेजी गई है। प्रार्थीगण में प्रमुख रूप से शिवराम शर्मा सहित सभी 38 दुकानदारों के हस्ताक्षर शामिल हैं, जिन्होंने प्रशासन से अपनी व्यथा सुनने और आजीविका बचाने की विनम्र अपील की है।

डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय में सजा पुस्तकों का महाकुंभ, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया उद्घाटन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शनिवार से पुस्तकों का महाकुंभ सज गया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) की ओर से गोरखपुर में पहली बार आयोजित "गोरखपुर पुस्तक महोत्सव" का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। यह नौ दिवसीय भव्य आयोजन 1 से 9 नवम्बर तक विश्वविद्यालय परिसर में प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। देशभर के प्रसिद्ध लेखक, प्रकाशक और पाठक इस महोत्सव में शामिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्घाटन समारोह में कहा कि यह पुस्तक महोत्सव राज्य में पठन-पाठन की संस्कृति को नई दिशा देगा और युवाओं को ज्ञान से जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि गोरखपुर सदैव से आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र रहा है, और यह आयोजन उस परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टण्डन ने कहा कि यह आयोजन शहर के साहित्यिक वातावरण को नई ऊंचाई देगा और छात्रों में पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़ाएगा। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक युवराज मलिक ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में पढ़ने की संस्कृति को सशक्त बनाने की दिशा में यह महोत्सव एक ऐतिहासिक पहल साबित हो रहा है। गोरखपुर का पहला पुस्तक महोत्सव साहित्य, संस्कृति और सृजनशीलता का अद्भुत संगम बन गया है, जिसमें आमजन के लिए प्रवेश निःशुल्क रखा गया है।

किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन का कमिश्नर ऑफिस के बाहर धरना प्रदर्शन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आज भारतीय किसान यूनियन (अवध) के बैनर तले किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर कमिश्नर ऑफिस के बाहर धरना प्रदर्शन किया। धरने में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए और उन्होंने बिजली दरों में वृद्धि, गन्ना भुगतान, सिंचाई की समस्या और फसलों के उचित मूल्य जैसी मांगों को लेकर नारेबाजी की। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि आज लखनऊ प्रशासन से वार्ता हुई है। उन्होंने कहा —

यदि दो हफ्ते के भीतर हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो हम फिर से राजधानी में धरना देने आएंगे।

किसानों ने सरकार से जल्द ठोस कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी कि अगर उनकी आवाज अनसुनी रही, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

Shopkeepers Appeal to CM Yogi Adityanath to Save Their Livelihood — 38 Shops at Kachahari Bus Stand Face Demolition Threat

Gorakhpur | Panic has spread among shopkeepers at Kachahari Bus Stand, Gorakhpur, after receiving notice that 38 municipal shops are to be demolished as part of a smart road project. The affected shop owners have written a letter to Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath, pleading to save their only source of livelihood.

In their letter, the shopkeepers stated that the shops were allotted by the Gorakhpur Municipal Corporation, and they have been conducting business there for many years. Their families are entirely dependent on the income from these shops. They expressed deep concern over the administration's decision to demolish the shops for the Smart Road Development Project passing through the Kachahari Bus Stand area.

The letter reads:

We all belong to middle-class families. If these shops are demolished, our means of livelihood will be destroyed. Our children's education and the survival of our families will be at risk."

The shopkeepers further mentioned that the main traffic pressure is between Shastri Chowk and Dr. Bhimrao Ambedkar Chowk, where the road has been approved for 17-meter widening. They pointed out that the stretch from Ambedkar Chowk to Students' Union Chowk is already wide enough, and requested that the road width be maintained at 17 meters to avoid demolition of their shops.

Copies of the letter have also been sent to the Member of Parliament (Gorakhpur), Divisional Commissioner, District Magistrate, Municipal Commissioner, and Secretary of the Gorakhpur Development Authority (GDA).

The appeal, signed by Shivram Sharma and other affected shopkeepers, urges the administration to reconsider the demolition plan and take compassionate steps to protect their livelihood.

Clothes Distributed to the Needy by Sarv Samaj Seva Sansthan in Gorakhpur

Clothing distribution drive launched to provide relief from winter cold

Gorakhpur | Continuing its commendable work in the field of social service, Sarv Samaj Seva Sansthan once again fulfilled its social responsibility this year by distributing clothes among the poor and needy. Through this initiative, the organization aimed to bring comfort and warmth to underprivileged sections of society during the winter season.

Approximately 250 people received woolen clothes, sweaters, and blankets from the organization, providing them much-needed relief from the biting cold.

According to the members of the Sansthan, this clothing distribution campaign has been running continuously for the past 11 years. Each year, the institution appeals to capable individuals to donate new or unused winter garments, blankets, and footwear for the underprivileged."The members emphasized, "Your small contribution can bring great comfort to someone struggling in the cold."

Among those present on the occasion were key members of the organization — Deepak Mishra, Dheeraj Gupta, Rupendra Singh Thapa, Brajnath Maurya, Bhardwaj Dubey, Pappu Singh, Laldeo Yadav, Ajay Kanojia, Veer Bahadur Yadav, Dinesh Nishad, and Baggi Sagar.

During the program, the officials of the organization stated that every section of society should come forward to help one another so that no individual suffers due to cold, hunger, or deprivation.

Fraud in the Name of Meeting Actor Tusshar Kapoor — Chaos Erupts, Police Control the Situation

Gorakhpur:"A case of fraud has come to light in Gorakhpur, where people were allegedly cheated under the pretext of meeting Bollywood actor Tusshar Kapoor and getting photographs clicked with him.

The accused organizers, identified as Vishal Modanwal and Aman Gupta, reportedly collected hefty amounts of money from several individuals, promising them a meet-and-greet session with the actor. However, when the event failed to deliver on its promises, the angry participants created a ruckus at the venue.

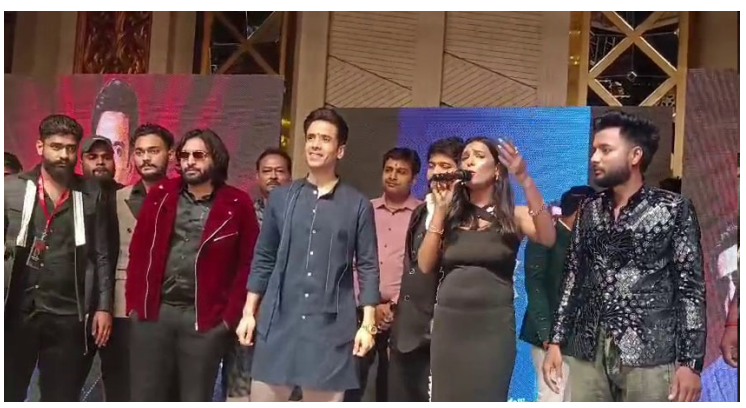

Upon receiving information, the local police arrived at the scene and brought the situation under control.

Victims alleged that the organizers had charged money under the banner of a so-called "Celebrity Meet", but neither the actor appeared nor any photo session took place as promised.

Police have now registered complaints from the victims and initiated an investigation. Officials confirmed that strict action will be taken against those found guilty of cheating and misrepresentation.

Authorities have also urged the public to remain cautious against such fraudulent "celebrity meet" events, which are increasingly being used as traps to extort money from unsuspecting fans.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।